मिशन शिक्षण संवाद

English Grammar

Adjective

Adjectives are words that are used to qualify or describe nouns and pronouns.Every adjective has three degrees.They are positive,comparative and superlative degrees.Add "er' to an adjective to make it comparative degree.Add 'est' to make it superlative.

अनुवाद

विशेषण वे शब्द होते हैं जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं।विशेषण तीन प्रकार के होते हैं।पॉजिटिव, कम्पेरेटिव और सुपरलेटिव। कम्पेरेटिव बनाने के लिए पॉजिटिव में 'er' लगाया जाता है।सुपरलेटिव बनाने के लिए पॉजिटिव में 'est' लगाया जाता है।

Exercise

1.Write each adjective in comparative and superlative forms.

a) Slow Slower Slowest
b) Fast
c) Near
d) Big
e) High

Answer of Exercise 10

Ans 1. The Ganga's long journey ends at the Bay of Bengal.

मिशन शिक्षण संवाद

Formation of Comparative and Superlative

Most adjectives form the comparative by adding er and the superlative by adding est to the positive.

Positive	Comparative	Superlative
Sweet	Sweeter	Sweetest
Young.	Younger.	Youngest

When the Positive ends in e only r and st are added.

Brave	Braver	Bravest
Large	Larger	Largest

When the Positive ends in y, preceded by a consonant, the y is changed into I before adding er and est.

Happy	Happier	Happiest.
Easy	Easier.	Easiest.

अनुवाद

पॉजिटिव डिग्री को कम्पेरेटिव एवं सुपरलेटिव में बदलने के नियम।

1. सामान्यतः पॉजिटिव डिग्री में er और est लगाकर कम्पेरेटिव और सुपरलेटिव बनाया जाता है।

2. यदि पोसिटिव e से एंड होता है तो उसमें r और st लगाया जाता है।

3.यदि पॉजिटिव y से खत्म होता है और उसके आगे कंसोनेन्ट हो तो y की जगह i लगाया जाता है फिर er और est जोड़ा जाता है।

Subject - Engish Chapter- 2 Class - 7th

Topic - The Holy Ganga S.N. - 10

मिशन शिक्षण संवाद

The Holy Ganga

After passing through many big cities,the Ganga flows towards the sea. As it reaches closer to the sea, it's speed becomes slower and slower and finally it merges into the sea. The Ganga's long journey from high up in the mountain ends at the Bay Of Bengal. This place where the Ganga joins the sea is called the Ganga Sagar.

अनुवाद

कई बड़े शहरों से गुजरने के बाद गंगा समुद्र की ओर बहने लगती है।जैसे जैसे वह समुद्र के समीप आती है उसकी गति धीमी पड़ने लगती है और अंत में वह समुद्र में मिल जाती है। गंगा नदी की यात्रा जो पर्वतो से प्रारम्भ होती है बंगाल की खाड़ी में खत्म हो जाती है। वह स्थान जहाँ गंगा समुद्र में मिलती है गंगा सागर कहलाता है।

Answer the given questions.

1. Where does the Ganga's long journey end ?
2. What is the place where the Ganga meets the sea known as ?

Word Meaning

1. Flow - बहना
2. Sea - समुद्र
3. Merge - मिलना
4. Journey - यात्रा

Answers of worksheet 9

1.Ganga. 2. Haridwar. 3.Sangam. 4.Kumbh 5.Triveni

9458278429

Made by- E.A.George and Parul

विषय- विज्ञान पाठ- रेशों से वस्त्रों तक कक्षा - 7

प्रकरण- ऊन क्रमांक - 11

मिशन शिक्षण संवाद

हमने सीखा

1.भारत में ऊन प्रमुख रूप से भेड़ की त्वचा के मुलायम बालों से प्राप्त किए जाते हैं।

2.भेड़ के अतिरिक्त याक, ऊँट, बकरी आदि के त्वचीय बालों से भी ऊन प्राप्त किया जाता है।

3.भेड़ के बालों को ऊन के धागों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को ऊन का संसाधन कहते हैं।

कुछ और भी जानें

ऊन उद्योग हमारे देश में अनेक व्यक्तियों के लिए जीविकोपार्जन का एक महत्वपूर्ण साधन है। परन्तु जन्तु रेशों की छँटाई करने वाले कारीगर कभी-कभी एन्थ्रैक्स नामक जीवाणु द्वारा संक्रमित हो जाते हैं। जो कुछ समय बाद में एक घातक रुधिर रोग 'सोर्टर्स रोग" के रूप में दिखाई देने लगता है।

गतिविधि

प्रश्न1:जानने की कोशिश करो कि ऊनी वस्त्र पहनने पर ठंड क्यों नहीं लगती?

प्रश्न 2:वस्त्रों के अलावा ऊन से और क्या क्या चीजें बनाई जा सकते हैं?एक सूची तैयार करो

प्रश्न 3: भेड़ के अलावा और किस किस जानवर के बालों से ऊन तैयार की जा सकती है?सोचें

उत्तर माला(क्रमांक :10)

भेड़ के रेशे को ऊन में संसाधित करने के विभिन्न चरण

चरण 1 - भेड़ों के बालों की कटाई

चरण 2 - अभिमार्जन

चरण 3 - छँटाई

चरण 4 - कताई

चरण 5 - रंगाई

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- मोनिका सिंघल (हापुड)

विषय- विज्ञान पाठ- रेशों से वस्त्रों तक कक्षा - 7

प्रकरण- भेड़ पालन और प्रजनन क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

ऊन का निर्माण

सिर के बालों की अपेक्षा शरीर के रोएं अधिक मुलायम, पतले तथा हल्के होते हैं। बिल्कुल इसी तरह भेड़ के रेशे भी दो प्रकार के होते हैं -

1. दाढ़ी के रूखे बाल,
2. त्वचा पर स्थित तंतुरूपी मुलायम बाल।

इन्हीं बालों का उपयोग ऊन बनाने के लिए किया जाता है।

भेड़ पालन और प्रजनन

हमारे देश में जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, अरूणाचल प्रदेश और सिक्किम के पहाड़ी क्षेत्रों अथवा हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, और गुजरात के मैदानी भागों में गड़ेरियों द्वारा भेड़ों के झुण्ड पाले जाते हैं।

भेड़ों का भोजन

भेड़ शाकाहारी होती हैं और वे घास और पत्तियाँ खाना पसन्द करती हैं। भेड़ पालक उन्हें हरे चारे के अतिरिक्त दालें, मक्का, ज्वार तथा खली आदि खिलाते हैं।

भेड़ के रेशे को ऊन में संसाधितकरने के विभिन्न चरण

चरण 1 - भेड़ों के बालों की कटाई

चरण 2 - अभिमार्जन

चरण 3 - छँटाई

चरण 4 - कताई

चरण 5 - रंगाई

जिज्ञासा (अभ्यास क्रमांक-10)

कारण जानने का प्रयास कीजिए कि जब आप बाल कटवाते हैं तो कोई दर्द नहीं होता, परन्तु जब कोई आपके बाल खींचता है तब दर्द क्यों होता है ?

प्रश्न: भेड़ के रेशों को ऊन में संसाधित करने के विभिन्न चरणों को क्रमानुसार वर्णित कीजिए?

उत्तर माला क्रमांक-9

(1- घ)(2-क)

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-(मोनिका सिंघल,बीघेपुर क.वि. ,हापुड)

विषय- विज्ञान पाठ- रेशों से वस्त्रों कक्षा - 7

प्रकरण- पौधे एवं जन्तुओं से प्राप्त रेशे तक क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

पौधे एवं जन्तुओं से प्राप्त रेशे

पौधों से प्राप्त होने वाले रेशे पादप रेशे कहलाते हैं। कपास के पौधों के बिनौलों से रूई तथा पटसन या सनई के पौधों के तनों से जूट के रेशे प्राप्त किए जाते हैं। कपास के रेशों का उपयोग कागज, सूती वस्त्र, चादर, पर्दे आदि बनाने में किया जाता है। जबकि जूट के रेशों से रस्सी, बोरा, दरी आदि बनाए जाते हैं।इसी प्रकार जन्तुओं से प्राप्त होने वाले रेशों को जांतव रेशे कहा जाता है। ऊन तथा रेशम प्रमुख जांतव रेशे हैं। ऊन के रेशे भेड़ अथवा याक के शरीर के बालों से तथा रेशम के रेशे रेशम कीट के कोकून से प्राप्त किए जाते हैं। ऊन का उपयोग स्वेटर तथा गर्म कपड़े बनाने में किया जाता है जबकि रेशम के धागों से रेशमी वस्त्र बनाए जाते हैं।

ऊन प्रदान करने वाले जन्तु

भेड़ की त्वचा के बाल से प्राप्त किए जाने वाले मुलायम घने रेशों को ऊन कहा जाता है। हालाँकि कुछ अन्य जन्तुओं जैसे - याक, ऊँट, बकरी आदि के शरीर के बालों का भी उपयोग ऊन प्राप्त करने में किया जाता है।उदाहरणत: जम्मू कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में पायी जाने वाली अंगोरा बकरी से अंगोरा ऊन तथा कश्मीरी बकरी से पश्मीना ऊन की शालें बनायी जाती हैं। याक का ऊन तिब्बत और लद्दाख में प्रचलित है। दक्षिण अमेरिका में लामा और ऐल्पेका नामक जन्तुओं से ऊन प्राप्त किया जाता है।

ऊन प्रदान करने वाले जन्तु

अभ्यास प्रश्न(क्रमांक 9)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में सही विकल्प छाँटकर अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए -

(क) ऊन धारण करने वाले जन्तु हैं

(अ) ऊँट तथा याक

(ब) ऐल्पेका तथा लाम

(स) अंगोरा बकरी तथा कश्मीरी बकरी(द) उपरोक्त सभी

(ख) भेड़ तथा रेशम कीट होते हैं -

(अ) शाकाहारी (ब) मांसाहारी

(स) सर्वाहारी (द) अपमार्जक

उत्तरमाला क्रमांक-8

1.(अ) 2.(अ)

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- मोनिका सिंघल,धौलाना

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा में निधि श्यामपट्ट पर लिखे गए वाक्यों को ठीक ढंग से कॉपी पर नहीं उतार पाती थी। उसे लिखे हुए वाक्यों को पढ़ने में भी असुविधा होती थी। एक दिन विद्यालय में स्वास्थ्य-परीक्षण हेतु चिकित्सक दल आया। सभी बच्चों के साथ निधि का भी स्वास्थ्य-परीक्षण किया गया। चिकित्सक ने बताया कि निधि के आँखों की रोशनी कम हो रही है क्योंकि उसके शरीर में विटामिन 'ए' की कमी हो गई। निधि के माता-पिता से बातचीत करने से पता चला कि निधि ठीक ढंग से भोजन नहीं करती है। वह विद्यालय आने से पूर्व भी दूध या नाश्ता नहीं लेती है। तब अध्यापक ने उसके माता-पिता को बताया कि डॉ0 ने निधि को ऐसे भोज्य पदार्थों को दिए जाने को कहा है, जिसमें विटामिन 'ए' पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों जैसे- गाजर, पपीता, गोभी, एवं टमाटर आदि। इन पदार्थों का सेवन करने से

निधि की समस्या दूर हो सकती है।

शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाने से शरीर रोगग्रस्त हो जाता है। अतः हमें प्रतिदिन के आहार में ऐसा भोज्य-पदार्थ लेना चाहिए जो उम्र एवं शरीर की आवश्यकतानुसार पोषक तत्वों की पूर्ति कर सके।

निधि ने घर आकर अपनी दीदी से पूछा, कि पोषक तत्व क्या होते है ?

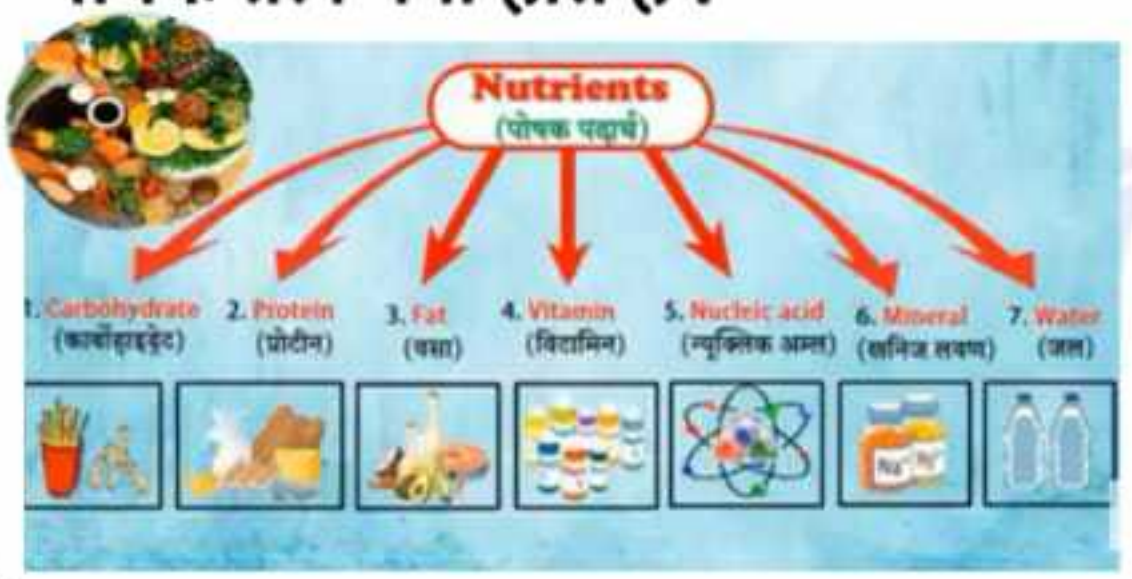

दीदी ने बताया, कि हम जो भोजन करते हैं उसमें कई प्रकार के तत्व पाए जाते हैं जो हमारे शरीर को स्वस्थ एवं निरोग रखते हैं, पोषक तत्व कहलाते हैं। भोजन में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण एवं जल आदि पोषक तत्वों का होना आवश्यक है।

अभ्यास कार्य

(1) निधि को क्या परेशानी हो रही थी?

(2) स्वास्थ्य परीक्षण किसके द्वारा किया गया ?

(3) चिकित्सक ने निधि के परीक्षण के बाद क्या बताया ?

(4) निधि की आंखों की रोशनी किसकी कमी से कम हो रही थी ?

(5) विटामिन ए किन किन पदार्थों से प्राप्त होता है ?

(6) पोषक तत्व क्या होते है?

(7) विटामिन ए की कमी से कौन स रोग होता है ?

(8) चित्र देख कर पोषक तत्व का का चार्ट बनाओ ।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी

विषय- गृह शिल्प पाठ- पोषक तत्व और पोषण कक्षा -7

प्रकरण- पोषक तत्व क्रमांक- 8

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न पोषक तत्वों में जल का भी महत्वपूर्ण स्थान है। शरीर में जल की मात्रा लगभग 55-70 प्रतिशत होती है। जल का कार्य भोजन को घुलनशील बनाना, शरीर के अनावश्यक पदार्थों को पसीने एवं मूत्र द्वारा बाहर निकालना है। जल विभिन्न पोषक तत्वों को शरीर के विभिन्न अंगों तक पहुंचाने का कार्य करता है। शरीर में उपस्थित जल, त्वचा को नर्म, मुलायम एवं कांतिवान बनाते हैं। हमें प्रतिदिन 8-10 गिलास पानी अवश्य पीना चाहिए। आइए, मैं आपको विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों के बारे में बताती हूँ-

विभिन्न पोषक तत्वों की प्राप्ति के प्रमुख स्रोत, कार्य तथा कमी से होने वाली हानियाँ

1. शारीरिक वृद्धि करने वाले - प्रोटीन (दाल, सोयाबीन, दूध, अण्डा, मांस, मछली)
2. शरीर को ऊर्जा प्रदान करने वाले -कार्बोहायड्रेट (चीनी, गुड़, चावल, गेहूँ, आदि) और वसा (घी, तेल)
3. शरीर की विभिन्न रोगों से रक्षा करने वाले-विटामिन एवं खनिज लवण (हरी सब्जियाँ, फल आदि।)

विटामिन का नाम	रासायनिक नाम	स्त्रोत	विटामिन की कमी से उत्तपन्न होने वाले रोग व लक्षण
विटामिन 'ए'	रेटिनॉल	अंडा, पनीर, हरी सब्जी, दूध, मछली का तेल	रतौंधी, त्वचा का शुष्क पड़ जाना
विटामिन 'बी'1	थायमीन	अनाज के छिलके, दाल, तिल, सब्जियां	बेरी-बेरी, भूख न लगना
विटामिन 'बी' 2	राइबोफ्लेविन	दूध, हरी सब्जियां, खमीर, मांस	जीभ में सूजन,मुख की त्वचा और होठों का फटना तथा आंखों का लाल हो जाना
विटामिन 'बी'3	पैंटोथेनीक अम्ल	मांस, हरी सब्जी, दूध, अंडे,गन्ना, टमाटर	त्वचा का सूख जाना, डायरिया, मानसिक असंतुलन
विटामिन 'बी' 5	नियासिन	आलू टमाटर मूंगफली, पत्ति वाली सब्जियां	बाल सफेद होना, मंदबुद्धि
विटामिन 'बी'6	पायरीडॉक्सिन	दूध, कलेजी, हरी सब्जियां	एनीमिया, वृद्धि कम होना, चिड़चिड़ापन, त्वचा संबंधी समस्याएं, शिशु के शरीर में ऐंठन
विटामिन 'बी' 7	निकोटिनिक अम्ल	दूध, मांस, यकृत, अंडा	पैलाग्रा
विटामिन 'बी'12	कोबालमिन	यकृत, मांस, दूध	सांघातिक अरक्तता
विटामिन 'सी'	एस्कार्बिक अम्ल	टमाटर, संतरा, खट्टे पदार्थ, मिर्च, अंकुरित अनाज, आलू	स्कर्वी रोग, हड्डियों का कम विकास, घावों का देर से भरना, मसूड़ों से खून बहना
विटामिन 'डी'	कैल्सिफेरॉल	मक्खन, मांस-मछली, यकृत, अंडे की जर्दी, सूर्य का प्रकाश	रिकेट्स, अस्थियों की कोमलता तथा टेढ़ापन, दांतों का विकास न होना, दंतक्षय
विटामिन 'ई'	टेकोफेरॉल	दूध मक्खन हरी सब्जियां तेल कलेजी आदि	बांझपन, एनीमिया
विटामिन 'के'	नेफ्थोक्विनोन	टमाटर हरी सब्जियां	रक्त स्कंदन
फोलिक अम्ल	तेरोईल ग्लूटेमिक	दाल, अंडा, यकृत, सेम, सब्जियां	

अभ्यास कार्य

(1) विटामिन 'ए' की कमी से होने वाला रोग तथा विटामिन ए के स्रोत बताओ
(2) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए किस प्रकार का आहार आवश्यक है ?
(3) विटामिन डी के स्रोत बताओ
(4) विटामिन 'बी' की कमी से कौन सा रोग होता है ?
(5) शरीर को ऊर्जा देने भोज्य पदार्थों के नाम लिखो ।
(6) शरीर के लिए हरी सब्जियों एवं फलों का सेवन क्यों आवश्यक है?
(7) जल शरीर के लिए क्यों आवश्यक है ?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा -7

प्रकरण- भोजन विषाक्तता क्रमांक- 6

मिशन शिक्षण संवाद

भोजन विषाक्तता (Food Poisoning)

स्वस्थ रहने के लिए भोज्य पदार्थों की स्वच्छता का विशेष महत्व है। यदि भोज्य पदार्थ की साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो उनमें हानिकारक बैक्टीरिया पहुँच जाते हैं। जब उस भोजन को कोई खाता है तो हानिकारक बैक्टीरिया शरीर में पहुँचकर संक्रमण फैलाते हैं, जिससे व्यक्ति अस्वस्थ हो जाता है। इस प्रकार बैक्टीरिया/जीवाणु द्वारा भोजन का खराब होना ही भोजन की विषाक्तता है।

भोजन के विषाक्त होने के कारण

सभी प्रकार के कच्चे या पके हुए भोजन कुछ समय के बाद खराब हो जाते हैं। खराब होने के बाद भोजन विषैला, दूषित तथा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाता है।

भोजन निम्नलिखित कारणों से खराब होता है

* पकी हुई दालें, सब्जियाँ, दूध, दही आदि को अधिक समय तक रखने से, जीवाणुओं/ कीटाणुओं के संपर्क में आने से।
* बिना पका हुआ भोजन जैसे गेहूँ, चावल, दाल आदि कीड़ा लगने या जीवाणुओं के संपर्क से।
* बीमार पशुओं के दूध या मांस का प्रयोग करने से।
* संरक्षित भोजन को, समय के उपरांत उपयोग करने से।
* बासी भोजन खाने एवं गंदे हाथों से भोजन करने से।

विषाक्त भोजन से होने वाली हानियाँ

पेट में दर्द होना, जी मिचलाना, दस्त होना एवं बुखार आ जाना।
मांसपेशियों में ऐठन एवं नाड़ी की गति का तीव्र हो जाना।

भोज्य पदार्थ के संरक्षण के उपाय

(1) अनाज तथा दालों को भण्डारण के पूर्व ठीक तरह से सुखाकर, साफ कर उचित जगह पर रखें।
(2) पकाने से पूर्व भोज्य पदार्थों को स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोएँ।
(3) वातावरण में दूषित कीटाणु/जीवाणु से बचने के लिए भोज्य पदार्थ को बंद डिब्बों में रखें।
(4) भोजन पकाने के पूर्व हाथों को साबुन एवं पानी से अच्छी तरह धोएँ।
भोजन पकाते समय छींक व खाँसी से भोजन को सुरक्षित रखें।
(5) भोज्य पदार्थों को सदैव ढक कर रखें। नमी वाले स्थान पर भोज्य पदार्थ संरक्षित न करें।
(6) अनाजों के संरक्षण हेतु प्रयोग में लाये जाने वाले रासायनिक पदार्थों को सदैव कपड़े की पोटली में अच्छी तरह बाँध कर रखें।
(7) अधिकांश कीटाणु अधिक गर्मी एवं अधिक ठण्ड के कारण मर जाते हैं इसलिए दूध जैसे पदार्थों को खराब होने से बचाने के लिए उसे उबालते हैं।
(8) यही कारण है कि डेरी में दूध को ठंडे में रखा जाता है। माँस तथा मछली को विशेष प्रकार के ठंडे डिब्बों में बंद करके दूर-दूर भेजा जाता है।

अभ्यास कार्य

(1) भोज्य पदार्थ के संरक्षण के उपाय लिखिए।
(2) भोजन के विषाक्त होने के कारण लिखो ।
(3) विषाक्त भोजन से होने वाली हानियाँ लिखो ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. वि. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

गुणात्मक प्रतिलोम

$$2x\frac{1}{2} = 1 \text{ या } 2 = \frac{1}{(1/2)}$$

$$7x\frac{1}{7} = 1 \text{ या } 7 = \frac{1}{(1/7)}$$

$$\frac{3}{4} x \frac{4}{3} = 1 \text{ या } \frac{3}{4} = \frac{1}{(4/3)}$$

इसी प्रकार यदि a एक शून्येत्तर परिमेय संख्या हो तो,

$$a \times \frac{1}{a} = 1, \text{ या } a = \frac{1}{(1/a)}$$

अतः ऐसी परिमेय संख्याएं जिनका गुणनफल 1 के बराबर होता है, एक दूसरे की गुणात्मक प्रतिलोम (inverse) अथवा व्युत्क्रम (reciprocal) कहलाती हैं।

उदाहरण:-

2 का गुणात्मक प्रतिलोम $\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$ तथा $\frac{1}{2}$ का गुणात्मक प्रतिलोम 2 होगा।

धनात्मक एवं ऋणात्मक घातांक

$10^2 = 10x10$
$= 100$
$10^1 = 10x10/10$
$= 100/10$
$=10$
$10^0 = 10/10$
$= 1$

इस प्रतिरुप को आगे बढ़ाने पर

$10^{-1} = 1/10$
$10^{-2} = 1/10x10$
$= 1/10^2$
$= 1/100$
$10^{-3} = 1/10x10x10$
$= 1/10^3$
$= 1/1000$

इसी प्रकार यदि a एक शून्येत्तर परिमेय संख्या हो तो, $a^{-m} = 1/a^m$

जहां m एक धनात्मक परिमेय संख्या है।

a^{-m}, a^m का गुणात्मक प्रतिलोम है।

अभ्यास कार्य 11

(1) निम्नांकित संख्याओं का गुणात्मक प्रतिलोम क्या हैं?

7 , 3/4 , 3, 1/8

(2) 1/5 किस संख्या का व्युत्क्रम हैं?

(3) 4/3 का व्युत्क्रम ज्ञात करें।

(4) $(-25)^{-3}$ का मान ज्ञात करें।

अभ्यास कार्य 10 का हल

(1) $12x12x12x12x12x12=12^6$
(2) $15625 = 5^6 = 25^3 = 125^2$
(3) $0.0001 = .01^2$
(4) $-343/512 = (-7/8)^3$
(5) $1000/1331 = (10/11)^3$

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

विषय-गणित पाठ- घातांक कक्षा-7

प्रकरण-ऋणात्मक घात के नियम क्रमांक-12

मिशन शिक्षण संवाद

घातों के ऋणात्मक होने की दशा में पिछले नियम निम्न प्रकार पुन: परिभाषित किये जा सकते हैं-

(i) $a^m \times a^{-n} = a^{m-n}$

(ii) $a^{-m} \times a^n = a^{-m+n}$

(iii) $a^{-m} \times a^{-n} = a^{-m-n} = a^{-(m+n)}$

(iv) $a^m \div a^{-n} = a^m \times a^n$

(v) $a^{-m} \div a^n = a^{-m} \times a^{-n}$

(vi) $a^{-m} \div a^{-n} = a^{-m} \times a^n$

(vii) $(a^m)^{-n} = a^{-mn} = (a^{-m})^n$

(viii) $(a^{-m})^{-n} = a^{(-m)\times(-n)} = a^{mn} = (a^m)^n$

(ix) $a^{-m} \times b^{-m} = (a \times b)^{-m}$

उदाहरण

(i) $5^3 \times 5^{-2} = 5\times5\times5 \times \frac{1}{5} \times \frac{1}{5} = 5$

या

$= 5^3 \times 5^{-2}$

$= 5^{3+(-2)}$

$= 5^{3-2}$

$= 5^1$

अर्थात 5 Ans

(ii) $3^{-3} \times 3^{-2} = \frac{1}{3} \times \frac{1}{3} \times \frac{1}{3} \times \frac{1}{3} \times \frac{1}{3} = \left(\frac{1}{3}\right)^5$

या

$3^{-3} \times 3^{-2} = 3^{-(3+2)}$

$= 3^{-5}$

$= (1/3)^5$

(iii) $5^3 \div 5^{-2} = \frac{5\times5\times5}{\frac{1}{5}\times\frac{1}{5}} = 5\times5\times5\times5\times5 = (5)^5$

(iv) $2^3 \div 2^2 = \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \div (2\times2)$

$= \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \left(\frac{1}{2}\right)^5 = 2^{-5}$

अभ्यास कार्य 12

(i) $3^4 \times 3^5 \times 3^{-9}$ का मान ज्ञात कीजिए ।

(ii) $\left(\frac{2}{3}\right)^2 \times \left(\frac{4}{9}\right)^2 \times \left(\frac{2}{3}\right)^{-4}$ को सरल कीजिए

(iii) $\left(\frac{1}{2}\right)^{-2} \times 2^2$ का मान होगा :

(iv) $3^{-2} \times 3^5$ का मान होगा :

(v) $(2\times3)^6 \times 6^{-3}$ का मान ज्ञात कीजिए।

(vi) $3^0 + 3^{-1} + 3^{-2}$ का मान ज्ञात करें।

(vii) $\left(\frac{1}{3}\right)^{-2} \times 3^2 \div 3^{-3}$ का मान ज्ञात करें।

अभ्यास कार्य 11 का हल

(1) 7 का गुणात्मक प्रतिलोम =1/7

3/4 का गुणात्मक प्रतिरोध =4/3

3 का गुणात्मक प्रतिरोध =1/3

1/8 का गुणात्मक प्रतिरोध =8

(2) 1/5 , 5 का व्युत्क्रम हैं

(3) 4/3 का व्युत्क्रम 3/4 हैं।

(4) $-25\times-25\times-25 = -15625$

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

विषय-गणित पाठ- घातांक कक्षा - 7

प्रकरण- परिमेय संख्याओं को घात के रूप में व्यक्त करना क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

परिमेय संख्याओं को घात के रुप में व्यक्त करना

परिमेय संख्याएं p/q के रुप की होती हैं। जहां p,q पूर्णांक होते हैं तथा $q \neq 0$; इस प्रकार सभी पूर्णांक भी परिमेय सख्यांएं हैं।

उदाहरण:

$2 = (2)^1$, $3 = (3)^1$,$4/7 = (4/7)^1$,

$6 = (6)^1$, $8 = (8)^1 = (2)^3$,

$16/625 = (4/25)^2 = (2/5)^4$

जिस संख्या को घात रूप में केवल एक ही प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है, उसका घातीय संकेतन (घात रूप) अद्वितीय होता है, जैसे,

$5/12 = (5/12)^1$, $6 = (6)^1$, आदि।

यदि किसी संख्या को भिन्न भिन्न आधारों पर घात रूप में व्यक्त किया जा सके तो उसका घातीय संकेतन अद्वितीय नहीं होता है। जैसे, परिमेय संख्या 729 को आधार 3 और 9 के घातीय सकेंतनों में देखिऐ :

- $729 =(3)^6$ आधार 3 घात 6
- $729 =(9)^3$ आधार 9 घात 3
- $729 =(27)^2$ आधार 27 घात 2

अत: हम कह सकते है कि:

1)किसी भी परिमेय संख्या को उसके घात के रूप में व्यक्त किया जा सकता है, जैसे, $a = (a)^1$

2)सभी अभाज्य संख्याओं का घातीय संकेतन अद्वितीय होता है।

3)भाज्य संख्याओं में कुछ का घातीय संकेतन अद्वितीय और कुछ का अद्वितीय नहीं होता।

अभ्यास कार्य 10

1. 12x12x12x12x12x12 को घात रूप में व्यक्त कीजिए।
2. 15625 को आधार 5, आधार 25 एवम् आधार 125 के घातीय संकेतनों में व्यक्त कीजिए।
3. 0.0001 को आधार 0.01 पर घात रूप में व्यक्त कीजिए।
4. -343/512 को आधार -7/8 पर घात रूप में व्यक्त कीजिए।
5. 1000/1331 को आधार 10/11 पर घातीय संकेतों में व्यक्त कीजिए।

अभ्यास कार्य 9 का हल

प्रश्न1 (i) $(5x8)^5 = 40^5$

(ii) $(8x7)^6 = 56^6$

(iii) $(9/5)^{12}$

(iv) $(5/7x3/4)^3$

(v) $3^{19-25} = 3^{-6} = 1/3^6$

(vi) $(-1)^5$

(vii) $(-1)^{49-25} = (-1)^{24}$

प्रश्न2 (i) 4^{20}

(ii) $(8x7)^6 = 56^6$

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अर्पण कुमार आर्य (बरेली) / मन्जू सिंह जादौन (अलीगढ़)

'बहता पानी निर्मला'

मुझे बचपन से नक्शे देखने का शौक है। आप समझेंगे कि कुछ भूगोल विज्ञान की तरफ प्रवृत्ति होगी-नहीं, सो बात नहीं; असल बात यह है कि नक्शों के सहारे दूर-दुनिया की सैर का मजा लिया जा सकता है। यों तो वास्तविक जीवन में भी काफी घूमा-भटका हूँ, पर उससे कभी तृप्ति नहीं हुई, हमेशा मन में यही रहा कि कहीं और चलें, कोई नयी जगह देखें।

यात्रा करने के कई तरीके हैं। एक तो यह कि आप सोच-विचार कर निश्चय कर लें कि कहाँ जाना है, कब जाना है, कहाँ-कहाँ घूमना है, कितना खर्च होगा: फिर उसी के अनुसार छुट्टी लीजिए, टिकट कटवाइए, सीट या बर्थ बुक कीजिए, होटल डॉक बँगले को सूचना देकर रिजर्व कराइए या भावी अतिथियों को खबर दीजिए और तब चल पड़िए। बल्कि तरीका तो यही एक है-क्योंकि यह व्यवस्थित तरीका है और इसमे मजा बिल्कुल नहीं है यह भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि बहुत से लोग ऐसे यात्रा करते हैं और बड़े उत्साह से भरे वापस आते हैं।

दूसरा तरीका यह है कि आप इरादा तो कीजिए कहीं जाने का, छुट्टी भी लीजिए, इरादा और पूरी योजना भी चाहे घोषित कर दीजिए कि आप बड़े दिनों की छुट्टियों में बम्बई जा रहे हैं, लोगों को ईर्ष्या से कहने दीजिए कि अमुक बम्बई का सीजन देखने जा रहा है, मगर चुपके से पैक कर लीजिए जबरदस्त गर्म कपड़े और जा निकलिए बर्फ से ढँके श्रीनगर में!अंग्रेजी में कहावत है कि "एक कील की वजह से राज्य खो जाता है-वह यों कि कील की वजह से नाल, नाल की वजह से घोड़ा, घोड़े के कारण लड़ाई और लड़ाई के कारण राज्य से हाथ धोना पड़ता है।" हमारे पास छिनने को राज्य तो था नहीं पर एक दाँत माँजने के ब्रुश और मोटर की एक मामूली-सी ढिबरी के लिए हम कैसी मुसीबत में पड़े यह हमीं जानते हैं।

सोनारी एक छोटा-सा गाँव है-अहोम राजाओं की पुरानी राजधानी शिवसागर से कोई अठारह मील दूर। बरसात के दिन थे, रास्ता, खराब एक दिन सबेरे घूमने निकला तो देखा कि नदी बढ़ कर सड़क के बराबर आ गयी है। मैं शिवसागर से तीन-चार मील पर था, सोचा कि एक नया दाँत बुरश ले लूँ क्योंकि पुराना घिस चला था; और मोटर की भी एक ढिबरी ठीक करवा कर ही लौटूँ-उसकी चूड़ी घिस जाने से थोड़ा-थोड़ा तेल चूता रहता था, वैसे कोई बहुत जरूरी काम नहीं था। खैर, इसमें कोई दो घण्टे लग गये, खाना खाने में एक घण्टा और।

तीन घण्टे बाद वापस लौटने लगे तो देखा, सड़क पर पानी फैल गया है। पानी बड़े जोर से एक तरफ से दूसरी तरफ बह रहा था, क्योंकि सड़क के एक तरफ नदी थी, दूसरी तरफ नीची सतह के धान के खेत, जिनकी ओर पानी बढ़ रहा था। पानी के धक्के से सड़क कई जगह टूट गयी थी। मैं फिर भी बढ़ता गया, क्योंकि आखिर पीछे भी तो पानी ही था।

यात्रा करने के............................हुँके श्रीनगर में।

संदर्भ एवं प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी-7' में संकलित यात्रा-निबन्ध 'बहता पानी निर्मला' से लिया गया है।इसके लेखक हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' जी हैं।इसमें लेखक ने पूर्व सुनिश्चित यात्रा और अनियोजित यात्रा के बीच का अंतर बताया है।

व्याख्या- लेखक कहता है यात्रा करने का एक व्यवस्थित तरीका यह है कि यात्रा से जुड़ी सारी व्यवस्था पहले ही सुनिश्चित कर लिए जाए। जैसे कि जगह, खर्च, छुट्टी, टिकट, सीट/बर्थ, होटल आदि के विषय में पहले ही सोच विचार करते कर लेना चाहिए और फिर यात्रा पर निकलना चाहिए। लेकिन लेखक यहां यह भी कहता है कि ऐसे यात्रा करने में कोई मजा नहीं आता। लेखक के अनुसार मजा तो वैसी यात्रा में है जिसे बिना सोचे-समझे किया जाए। योजना और इरादा कहीं और जाने का बनाओ और निकल पड़ो कहीं और के लिए। लोगों को बताओ कि हम मुंबई जा रहे हैं और जाओ कश्मीर।

शब्दार्थ

तृप्ति = सन्तोष, इच्छित वस्तु की प्राप्ति से मन का भरना। अमुक = कोई खास। ढिबरी = कसे जाने वाले पेंच के सिरे पर लगा छल्ला। कगारा = नदी का करार। टीला= ऊँचा किनारा। हठधर्मी = जिद्दी, दृढ़ संकल्पित। तात्कालिक = उसी समय।

अभ्यास-कार्य

कुछ करने को

1-यदि आपने बस/रेलगाड़ी से कोई यात्रा की हो तो यात्रा में लिये गये टिकट पर दी गयीजानकारी तथा निर्देश को लिखें।

2-"मैंने लौटने का निश्चय किया पर सड़क दिखती तो थी नहीं, अन्दाज से ही मैं बीच के पक्के हिस्से पर गाड़ी चला रहा था। मोड़ने के लिए उसे पटरी से उतारना पड़ेगा-और इधर-उधर सड़क है भी कि नहीं क्या भरोसा ? और मैं एक जगह देख भी चुका था कि आँखों के सामने ही कैसे समूचा ट्रक दलदल में धंसकर गायब हो जाता है। इसलिए मोटर को बिना घुमाये उलटे गियर में ही कोई ढाई मील तक लाया। यहाँ सड़क कुछ ऊँची थी, उस पर गाड़ी घुमाकर शिवसागर पहुँचा।" उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर अपने सहपाठियों से पूछने के लिए चार प्रश्न बनाइए।

उत्तरमाला न०-10

1-पर्यायवाची

भू- धरा,पृथ्वी,वसुधा,अवनी,भूमि।

नभ-आकाश, गगन, व्योम, अंबर,अभ्र।

पुष्प-पुष्प, कुसुम, सुमन, प्रसून, गुल।

मधु-शहद,मकरंद, पुष्परस,माक्षिक।

बिजली-विधुत,दामिनी, चंचला, चपला।

2. शिलाखंड- शिला का खंड

सिंह गढ़- सिंहों का गढ़

हिमाचल- हिम का आंचल

गलबाहें-गले में बांहें

धनुषबाण- धनुष और बाण

मिशन शिक्षण संवाद

शेष भाग

तीन घंटे बाद वापस लौटने लगे तो देखा, सड़क पर पानी फ़ैल गया है |पानी बड़े जोर से एक तरफ से दूसरी तरफ बह रहा था, क्योंकि सड़क के एक तरफ नदी थी, दूसरी तरफ नीची सतह के धान के खेत, जिनकी ओर पानी बढ़ रहा था |पानी के धक्के से सड़क कई जगह टूट गयी थी | मैं फिर भी बढ़ता गया, क्योंकि आखिर पीछे भी तो पानी ही था | पर थोड़ी देर बाद पानी कुछ और गहरा हो गया और उसके धक्के से मोटर भी सड़क पर से हट कर किनारे की ओर जाने लगी। आगे कहीं कुछ दीखता नहीं था क्योंकि सड़क की सतह शायद दो-तीन मील आगे तक बहुत नीची ही थी। सड़क के दोनों ओर जो पेड़ थे उन में कइयों पर साँप लटक रहे थे, क्योंकि बाढ़ से बचने के लिए वे पहले सड़क पर आते थे और फिर पेड़ों पर चढ़ जाते थे। मैंने लौटने का ही निश्चय किया। पर सड़क दीखती तो थी नहीं, अन्दाज से ही मैं बीच के पक्के हिस्से पर गाड़ी चला रहा था। मोड़ने के लिए उसे पटरी से उतारना पड़ेगा और इधर-उधर सड़क है भी कि नहीं, क्या भरोसा ? और मैं एक जगह देख भी चुका था कि आँखों के सामने ही कैसे समूचा ट्रक दलदल में धँस कर गायब हो जाता है। इसलिए मोटर को बिना घुमाये उलटे गियर में ही कोई ढाई मील तक लाया, यहाँ सड़क कुछ ऊँची थी, उस पर गाड़ी घुमाकर शिवसागर पहुँचा।

शिवसागर से सोनारी को एक दूसरी सड़क भी जाती थी चाय बागानों में से होकर, यह सड़क अच्छी थी पर इसके बीच एक नदी पड़ती थी जिसे नाव से पार करना होता था। मैंने सोचा कि इसी रास्ते चलें, क्योंकि सामान तो सब सोनारी में था। मैं डॉक बँगले से कुछ घंटों के लिए ही तो निकला था। शिवसागर में एक तो मोटर की ढिबरी कसवानी थी और दूसरे दाँत-ब्रुश और कुछ तेल साबुन लेना था, बस। वह भी लौटने की जल्दी के कारण नहीं लिया था!

इस सड़क से नदी तक तो पहुँच गये। नदी में नाव पर गाड़ी लाद भी ली और पार भी चले गये। यहाँ भी नदी में बड़ी बाढ़ आयी थी और बहते हुए टूटे छप्पर बता रहे थे कि नदी किसी गाँव को लीलती हुई आयी है-एक भैंस भी बहती आयी और पेड़-पौधों की तो गिनती क्या। उस पार नदी का कगारा ऊँचा था मोटर के लिए उतारा बना हुआ था। लेकिन नाव से किनारे तक जो तख्ते डाले गये थे वह ठीक नहीं लगे थे। मोटर नीचे गिरी आधी पानी में, आधी किनारे पर मैं जोर से ब्रेक दबाये बैठा था पर ऐसे अधिक देर तक तो नहीं चल सकता था ! खैर, आधे घण्टा उस स्वर्गनसैनी पर बैठे-बैठे, असमिया हिन्दी और बंगला की खिचड़ी में लोगों को बताता रहा कि क्या करें, तब मोटर ऊपर चढ़ायी जा सकी। थोड़ा आगे ही ऊँची जगह गाँव था, पर मोटर रोक कर चाय की तलाश की। यहीं सोनारी से आये दो साइकिल-सवारों से मालूम हुआ कि वे कन्धे तक पानी में से निकल कर आये हैं-साइकिलें कन्धों पर उठाकर! और मोटर तो कदापि नहीं जा सकती।

इस तरह इधर भी निराशा थी। पानी अभी बढ़ रहा था, यह गाँव ऊँची जगह पर था पर यहाँ कैद हो जाना मैं नहीं चाहता था, इसलिए फिर नाव पर मोटर चढ़ा कर उसी रास्ते नदी पार की। सब ने मना किया पर मेरे सर पर भूत सवार था, और हठधर्मी का अपना अनूठा रस होता है।

रात शिवसागर पहुँचे। एक सज्जन ने ठहरने को जगह दी, भोजन-बिस्तर का प्रबन्ध भी हो गया पर मन ही मन अपने को कोसा कि न नया दाँत-ब्रुश लेने के लिए सोनारी निकले होते, न यह मुसीबत होती-क्योंकि इसकी ऐसी तात्कालिक जरूरत तो भी नहीं, न मोटर की ढिबरी का मामला ही इतना जरूरी था। लेकिन अब उपाय क्या था ?

हीरानंद सच्चिदानंद वात्सायन 'अज्ञेय'

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' का जन्म 7 मार्च सन् 1911 ई0 को कुशीनगर जनपद में हुआ था। आपको हिन्दी साहित्य में प्रयोगवाद के जनक के रूप में ख्याति प्राप्त है। 'बावरा अहेरी', 'आँगन के पार द्वारा', 'कितनी नावों में कितनी बार', 'शेखरः एक जीवनी' इनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। इनका निधन 4 अप्रैल सन् 1987 ई0 को हुआ।

अभ्यास-कार्य

विचार और कल्पना

1- आपने भी कोई न कोई यात्रा जरूर की होगी। उस यात्रा में कई प्रकार की समस्याएं आयी होंगी। उन समस्याओं का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

2- आठ घण्टा उस स्वर्गनसैनी पर बैठे-बैठे, असमिया, हिन्दी और बंगला की खिचड़ी में लोगों को बताता रहा कि क्या करें" इन परिस्थितियों में लेखक के मन में क्या-क्या भाव उत्पन्न हुए होंगे ? स्वयं को उस स्थान पर रखते हुए लिखिए।

उत्तरमाला न०-11

1- संकेत- रेलगाड़ी की टिकट पर दी गई जानकारियाँ मुख्यत: इस प्रकार की होती हैं

पी.एन.आर. नं.	गाड़ी नंबर	तिथि	किमी.	वयस्क	बच्चे	टिकट नंबर
	18238	21-12-2017	192	2	2	72588285

श्रेणी से आरक्षित तक आरक्षित गाड़ी नाम –

शया (शयनयान) सहारनपुर से नई दिल्ली ह. निजामुद्दीन छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

UPBoardSolutions.com

कोच	सीट/बर्थ	लिंग	आयु	यात्रा प्राधिकार	रियायत	आ. शु.	श. प्र.	सु. प्र.	वाउचर रु.	कु. भाड़ा रु.
स्पेशल	47SL									375

गाड़ी छूटने की तिथि – 21-12-2017 00:15 पहुँचने की तिथि – 21-12-2017 04:15

2.प्रश्न१- लेखक ने लौटने का निश्चय क्यों किया होगा?

२.लेखक को अंदाज से ही बीच के पक्के हिस्से पर गाड़ी क्यों चलानी पढ़ रही थी?

३. लेखक ने क्या देखा था?

४. लेखक शिवसागर कैसे पहुँचे?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पूनम शर्मा kgbv बाराबंकी

विषय- हिंदी

प्रकरण-कविता

पाठ-'वीरों का कैसा हो बसंत?' कक्षा - 7

क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

कविता से

प्रश्न2-वीरों के लिए वसंत के रंग और रण का क्या स्वरूप है?

उत्तर- . वीरों के लिए बसंत के रंग और रण का स्वरूप यह है कि वीर बसंत ऋतु के रंगोत्सव से परे बसंती चोला पहनकर कर देश की रक्षा व स्वतंत्र के लिए रणभूमि की ओर निकल पड़े हैं। उनका चोला बसंती रंग का है, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक है।

प्रश्न3.निम्नलिखित पंक्तियों के आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,
वीरों का कैसा हो वसंत?

उत्तर(क)-आशय- प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री यह कह रही हैं कि वीरों का बसंत कैसा होना चाहिए। वे वीर जो सर्वस्व त्याग कर देश की रक्षा के लिए तन मन बलिदान करने चल पड़ा है, उसके लिए बसंत कैसा हो।

(ख) है रंग और रण का विधान,
मिलने आये हैं आदि-अन्त,

उत्तर(ख)-आशय- प्रस्तुत पंक्तियों से कवयित्री का आशय है कि वीरों के लिए रंग और रण का विधान ऐसा है कि वीर बसंती चोला पहन अपने देश की रक्षा के मैदान में जब उतरते हैं तो वे अपने जीवन मृत्यु को अपने हाथ में लेकर चलते हैं।

(ग) बिजली भर दे वह छन्द नहीं,
है कलम बंधी स्वच्छन्द नहीं,

उत्तर(ग)आशय- इन पंक्तियों में कवयित्री दुख व्यक्त करते हुए कहती हैं कि अब वीरों को जोश दिलाने वाले छंदों की कमी पड़ गई है। क्योंकि दुष्ट अंग्रेज शासकों ने कवियों की लेखनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। उनकी कलम से स्वच्छंदता छीन ली गई है।

प्रश्न4. कविता में कवि अतीत से मौन त्यागने के लिए क्यों कह रहे हैं ?

उत्तर- कवयित्री अतीत से मौन त्यागने को इसलिए कह रही हैं क्योंकि अतीत में जितने भी युद्ध हुए हैं उनके परिणाम में किसी न किसी का विनाश अवश्य हुआ है। खासकर अधर्म और अन्याय की राह पर चलने वालों का अंत ही हुआ है। अतीत इस बात का साक्षी है। सीता का अपहरण करने वाले रावण की लंका का जलना हो या पांडवों द्वारा कौरवों का सर्वनाश। यहां कवयित्री द्वारा अतीत से मौन त्यागने की बात करने का तात्पर्य यह है कि वे वर्तमान पीढ़ी को अतीत से सीख लेने को प्रेरित कर रही हैं और लोगों को युद्ध की विभीषिका से बचाना चाहती हैं।

अभ्यास- कार्य

1-निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-

भू, नभ, पुष्प, मधु, बिजली

2-दो या दो से अधिक शब्दों का संक्षेपीकरण करके एक नया सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया समास कहलाती है। समास की विधि द्वारा बने शब्द को समस्त पद कहते हैं।

जैसे- कौरवों का क्षेत्र=कुरुक्षेत्र

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करें-

शिलाखण्ड,सिंहगढ़,हिमाचल,गलबाँहें,धनुषबाण।

भाषा की बात

प्रश्न- दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

दांत खट्टे करना (पराजित करना)- रानी लक्ष्मीबाई ने प्रारंभिक युद्ध में अंग्रेजो के दांत खट्टे कर दिए थे।

ईंट से ईंट बजाना (विनाश करना)- हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान की ईंट से ईंट बजा दी।

छक्के छुड़ाना (करारा जवाब देना)- कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए थे।

अंगारों पर चलना (जोखिम भरा काम करना)- देश को आजादी दिलाने के लिए क्रांतिकारी अंगारों पर चलते थे।

खेत रह जाना (रणभूमि में मारा जाना) चीन की लड़ाई में हमारे सैकड़ों जवान खेत रहे।

उत्तरमाला न०-9

उत्तर1- देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता । बर्फ से गिरी दुर्गम पहाड़ियों पर दिन-रात उन्हें खराब मौसम की मार झेलनी पड़ती है। हमेशा शत्रुओं से चौकस रहना पड़ता है। शून्य डिग्री से नीचे के तापमान में भी वह बिना थके, बिना रुके प्रहरी का कार्य तल्लीनता पूर्वक करते हैं। सर्दियों में हड्डियों को जमाने वाली ठंड की रात में भी वे बंदूक लेकर सीमा पर तैनात रहते हैं ताकि देशवासी चैन की नींद सो सके।

उत्तर2- हिमालय, सागर, धरती, आसमान, पूरब पश्चिम- दसों दिशाएं पूछ रही हैं कि वीरों का कैसा हो बसंत?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

विषय- संस्कृत पाठ- द्वितीयः पाठः कक्षा - 7

प्रकरण- चित्रपाठः क्रमांक - 11

मिशन शिक्षण संवाद

तृतीय अन्विति

इदम् इमामबाड़ा-भवनम् अतिमनोहरम् अस्ति।
इदम् अवधशासकानां स्मारकम् अस्ति।
अस्य भवनस्य छदिः अतिविस्तृता अस्ति।इयं स्तम्भैः विनापि बहुकौशलेन निर्मिता अस्ति।अस्मिन् एकं विचित्रं सोपानमण्डलम् अस्ति। तत्र नवागन्तुकाः बहुधा मार्गं विस्मरन्ति।अतएव जनाः इदं भवनं'भूलभुलैया' इति वदन्ति।

यह इमामबाड़ा-भवन बहुत सुन्दर है।यह अवध शासकों का स्मारक है।इस भवन की छत बहुत विशाल है।यह बिना खम्बों के भी बहुत कुशलता पूर्वक बनाई गई है।यहाँ एक अनोखा सोपानमण्डल है।यहाँ आने वाले नये लोग अक्सर रास्ता भूल जाते हैं,इसलिए लोग इस भवन को'भूलभूलैया' भी कहते हैं।

इदं सचिवालयभवनम् अस्ति।
अस्मिन् भवने विधानसभायाः विधानपरिषदश्च अधिवेशनानि भवन्ति।
अस्मिन् एव भवने स्थित्वा राज्यस्य मन्त्रिणः सचिवाः अन्ये चाधिकारिणः राजकार्यं संचालयन्ति। सचिवालये एव उत्तरप्रदेशशासनस्य मुख्यः कार्यालयः अस्ति।

यह सचिवालय भवन है। इस भवन में विधान सभा और विधान परिषद की बैठकें होतीं हैं।इसी भवन में रहकर राज्य के मन्त्रियों, सचिव व अन्य अधिकारियों द्वारा राज्य के कार्यों का संचालन किया जाता है।सचिवालय ही उत्तर-प्रदेश सरकार का मुख्य कार्यालय है।

शब्दार्थाः-
अत्र-यहाँ
अकुर्वन्-किया
सोपानं-सीढ़ी
छदिः-छत
अधिवेशनानि-बैठकें
अन्वेषणं-खोज

इदं किम्?
इदं आंचलिक-विज्ञान-केन्द्रम् अस्ति।
किमर्थम् इदं प्रसिद्धम्?इदं हि अनुभावाधारित-शिक्षां प्रदानाय विख्यातं वर्तते। इदं केन्द्रं लखनऊनगरस्य मध्ये स्थितम् अस्ति।
अस्मिन् कक्षे भूजलीयान्वेषणं जैव-प्रौद्योगिकी क्रांतिःव्यावहारिकविज्ञानं चेति तिस्रः दीर्घिकाः सन्ति।

यह क्या है? यह आंचलिक विज्ञान केन्द्र है।यह क्यों प्रसिद्ध है? यह अनुभव पर आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है।यह केन्द्र लखनऊ नगर के बीच में स्थित है।इस केन्द्र में'अन्वेषण कक्ष' नाम का भवन है।इस कक्ष में भूजलीय अन्वेषण कक्ष, जैवप्रौद्योगिकी क्रान्ति व व्यावहारिक विज्ञान नाम की तीन दीर्घिका हैं।

उत्तरमाला-

उत्तर-(क)इन्दिरा गाँधी प्रियदर्शिनी नाम्ना प्रसिद्धा अस्ति।
(ख) इयं हिन्दू-विश्वविद्यालयस्य निर्माणाय प्रभूत धनं विस्तृतं भूखण्डं च अददात्।
(ग) लखनऊनगरम् प्राचीनं सुरम्यं च नगरम् अस्ति।
(घ) रेजीडेंसीस्थलम् अस्माकं देशभक्तानाम् आत्मत्यागं स्मारयन्ति।

प्रश्न अभ्यास-
क-इमामबाड़ा भवनम् कस्य स्मारकम् अस्ति?
उत्तर-इमामबाड़ा भवनम् अतिमनोहरम् अस्ति।
ख- सचिवालये भवने किम् भवति?
उत्तर-अस्मिन् भवने विधानसभायाः विधानपरिषदश्च अधिवेशनानि भवन्ति।
ग-आंचलिक विज्ञान केन्द्रम् अस्ति?
उत्तर-आंचलिक विज्ञान केन्द्रम् लखनऊ नगरस्य मध्ये स्थितम् अस्ति।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj 9458278429

विषय- संस्कृत पाठ- द्वितीय: पाठः कक्षा - 7

प्रकरण- चित्रपाठः क्रमांक - 12

मिशन शिक्षण संवाद

अभ्यासः

(क) 'राष्ट्रपिता' नाम्ना कः प्रसिद्धः ?
उत्तर- मोहनदास करमचन्द गाँधी
(ख) "मिसाइलमैन" इति नाम्ना कः प्रसिद्धः ?
उत्तर-डॉ,ए.पी.जे..अब्दुल कलाम।
(ग) उत्तर-प्रदेशस्य प्रथमं राज्यपालपदं का अभूषयत् ?
उत्तर-श्रीमती सरोजिनी नायडू महाशया।
(घ) इन्दिरागान्धी कस्य सुपुत्री ?
उत्तर-जवाहर लाल नेहरू महोदयस्य।
(ङ) उत्तरप्रदेशस्य राजधानी का ?
उत्तर-लखनऊ नगरम्।

मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा वाक्यानि पूरयत-
(1857 तमे वर्षे, सत्याग्रहेण, विदुषी कवयित्री, लखनऊनगरे)
(क) महात्मागाँधी.....परतन्त्रं भारतं स्वतन्त्रम् अकारयत्।
(ख) लक्ष्मीबाई.....प्रथम स्वातंत्र्य संग्रामस्य वीरांगना आसीत्।
(ग) श्रीमतीसरोजिनीनायडूमहाशया.....आसीत्।
(घ) विज्ञान-आंचलिक-केन्द्रम्....स्थितमस्ति।

संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत –
(क) महात्मा गान्धी ने देश के लिए कार्य किया।
अनुवाद-महात्मा गाँधी देशाय कार्य अकरोत्।
ख) यहाँ बहुत दर्शनीय स्थल हैं।
अनुवाद-अत्र बहूनि दर्शनानि स्थलानि सन्ति।
(ग) इस स्मारक को देखने लोग आते हैं।अनुवाद- इदं स्मारकं दर्शनाय जनाः आगच्छन्ति।
(घ) रेजीडेंसी-स्थल पर देशभक्तों को याद करते हैं।
(ङ) राज्यपाल राजभवन में रहते हैं।
अनुवाद-राजभवने राज्यपालः निवसति।

सन्धि-विच्छेदं कुरुत -
यथा- अहिंसान्दोलनेन
अहिंसा+आन्दोलनेन
अत्रापि =अत्र+ अपि
चासहत= च+अहसत्
नातिदूरे =न+अतिदूरे

रचनात्मक अभ्यासः
👉 कक्षा में पाँच-पाँच छात्रों के समूह बनाकर एक-एक समूह में क्रमशः नपुंसकलिंग,स्त्रीलिंग व पुल्लिंग के शब्दों के चार्ट शिक्षक अपनी देख-रेख में बच्चों के साथ बना सकते हैं।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

9458278429
प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय- संस्कृत पाठ- द्वितीय: पाठ: कक्षा - 7

प्रकरण- चित्रपाठ: क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

तृतीय अन्विति

इयं का?
इयं प्रियदर्शिनी इन्दिरा गाँधी।
इयं कथं प्रसिद्धा?
इयं अस्माकं देशस्य प्रथम महिला प्रधानमन्त्री आसीत्।
सर्वे जनाः इमां कुशलप्रशासिकारूपेण श्रद्धया स्मरन्ति।

शब्दार्थाः-
अकरोत्- किया
च- और। अस्ति- है। सुरम्यं- सुन्दर। प्रभूतम्-बहुत। भारतानुरागिणी- भारत से प्रेम रखने वालीं।

ये कौन हैं?
ये प्रियदर्शिनी इन्दिरा गाँधी हैं।
ये क्यों प्रसिद्ध हैं?
ये हमारे देश की प्रथम महिला प्रधानमन्त्री थीं। सभी लोग इन्हें कुशल प्रशासिका के रूप में श्रद्धा से याद करते हैं।

इयं का?
इयं भारतानुरागिणी परम विदुषी डॉ.एनी बेसेण्ट महोदया।
अस्याः का विशेषता?
इयं जन्मना आङ्ग्लदेशीया।
इयं हिन्दू विश्वविद्यालय निर्माणाय प्रभूतं धनं विस्तृतं भूखण्डं च अददात्।अस्याः भाषणेषु रचनासु च संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतभाषायाः च गोरवम् स्रकाशितम् अस्ति।
इयं देशस्य स्वतन्त्रतायै महत्त्वपूर्ण योगदानम् अकरोत्।

ये कौन हैं?
ये भारत से प्रेम करने वालीं परम विदुषी डॉ. एनी बेसेण्ट हैं।
इनकी क्या विशेषता है?
ये जन्म से अंग्रेज थीं। इन्होंने हिन्दूविश्व विद्यालय के निर्माण के लिए बहुत सा धन और विशाल भूखण्ड दिया।इनके भाषणों और रचनाओं में संस्कृत साहित्य और भाषा का गौरव प्रकाशित किया। इन्होंने देश की स्वतन्त्रता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लखनऊ नगरम् उत्तरप्रदेस्य राजधानी अस्ति।
इदं प्राचीनं सुरम्यमं च नगरम् अस्ति।अत्र बहुनि दर्शनीयानि स्थलानि सन्ति,यथा-रेजीडेंसीस्थलम्, इमामबाड़ा, सचिवालयभवनम्, आंचलिक-विज्ञान-केन्द्रश्च।
इदं रेजीडेंसी स्थलम् अस्ति।
इदमं अस्माकं देशभक्तानाम् आत्मत्यागं स्मारयन्ति। प्रथमे स्वतंत्रता संग्रामे १८५७ तमे वर्षे भारतीयाः वीराः आंङ्ग्लशासनस्य यदा विरोधम् अकुर्वन तदा देश-भक्ताः अत्रापि आङग्लान् आक्रान्तवन्तः। अस्मिन् युद्धे भक्तैः स्वरक्तं प्रवाहितम्। तेषां त्यागनैव स्वतन्त्रतायाम् एकं सोपानं निर्मितम्।

लखनऊ नगर उत्तर प्रदेश की राजधानी है। यह प्राचीन और सुन्दर नगर है। यहां बहुत से दर्शनीय स्थल हैं, जैसे-रेजीडेंसी स्थल, इमामबाड़ा और सचिवालय।
यह क्या है? यह रेजीडेंसी स्थल है।
यह हमारे देशभक्तों केआत्मत्याग की याद दिलाता है।प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में सन्1857 में भारतीय वीरों ने अंग्रेजी सरकार का विरोध किया था, तब अंग्रेजी शासको ने हमला किया। इस युद्ध में राष्ट्र भक्तों ने अपना खून बहाया था। इनके त्याग से ही स्वाधीनता का एक सोपान नार्मित हुआ।

गृहकार्य-1-इन्दिरा गाँधी किम् नाम्ना प्रसिद्धा आसीत्?
2- डॉ.एनीबेसेण्ट महोदयायः का विशेषता?
3- लखनऊ नगरम् कीदृशम् अस्ति?
4-रेजीडेंसी स्थलम् कथं प्रसिद्धं?

विषय- सामाजिक विषय पाठ- भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना कक्षा - 7

प्रकरण- तराइन का युद्ध क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

तराइन के दो युद्ध हुए इसमें प्रथम युद्ध 1191 ई० में मोहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच हरियाणा के करनाल में लड़ा गया। इस युद्ध में मोहम्मद गोरी की पराजय हुई। वह अपनी जान बचा कर भाग गया। उसने अपनी सेना को शक्तिशाली बनाया और 1192 ई० में पृथ्वीराज चौहान पर आक्रमण कर दिया। दोनों के बीच एक बार पुनः तराइन के मैदान में भीषण युद्ध हुआ इस बार मोहम्मद गौरी की विजय हुई और पृथ्वीराज चौहान को बंदी बना लिया गया।

तराइन का दूसरा युद्ध जीतने के बाद मोहम्मद गोरी ने 1194 ई० में कन्नौज के शासक जयचंद को चंदावर नामक स्थान पर पराजित किया और ग्वालियर, बयाना, बिहार, बंगाल पर विजय प्राप्त कर संपूर्ण उत्तर भारत को अपने अधीन कर लिया। 1192 का तराइन युद्ध तुर्कों के लिए भारत के द्वार खोल दिए और सल्तनत काल की शुरुआत हुई ।

तुर्कों की जीत के कारण

राजपूत राजाओं की हार व तुर्कों की जीत के इतिहासकारों ने निम्नलिखित कारण बतायें हैं-

1 राजपूत राजाओं में एकता का अभाव।
2 राजपूतों द्वारा पुरानी युद्ध प्रणाली व शस्त्रों का प्रयोग करना।
3 तुर्क सेना के पास अच्छी नस्ल के घोड़े और फुर्तीले घुड़सवारों का होना।
4 तुर्क सैनिकों का कुशल तीरंदाज होना।
5 भारतीय समाज में व्याप्त ऊँच-नीच एवं छूआ-छूत की भावना।

मिलान करो

1194	मोहम्मद गौरी की संपूर्ण पंजाब को जीता
1192	पानीपत का प्रथम युद्ध
1173-74	गजनी पर अधिकार
1190	पानीपत का द्वितीय युद्ध
1191	चंदावर का युद्ध

अभ्यास कार्य

प्रश्न नं 1 तराइन के कितने युद्ध हुए?
प्रश्न नं 2 तराइन का युद्ध किसके-किसके बीच लड़ा गया?
प्रश्न नं 3 कन्नौज का शासक कौन था?
प्रश्न नं 4 किस युद्ध ने तुर्कों के लिए भारत का द्वार खोल दिया?
प्रश्न नं 5 1191 ई० में पानीपत युद्ध में किसकी विजय हुई?
प्रश्न नं 6 1192 ई० में कौन सा युद्ध हुआ?

उत्तरमाला क्रमांक-8

उत्तर 1 1173-74
उत्तर 2 मुल्तान
उत्तर 3 चालुक्य वंश
उत्तर 4 1190
उत्तर 5 मुहम्मद गोरी
उत्तर 6 पृथ्वीराज चौहान

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती , आकांक्षा मिश्रा हरदोई

विषय- सामाजिक विषय पाठ- इस्लाम का भारत में आक्रमण कक्षा - 7

प्रकरण- मोहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान क्रमांक - 8

मिशन शिक्षण संवाद

मुहम्मद गौरी

मोहम्मद गोरी 12 वीं शताब्दी में अफगान का सेनापति था। उसने 1173-1174 ई० में गजनी पर अधिकार करने के पश्चात भारत पर पहला आक्रमण मुल्तान पर किया। मुल्तान विजय के बाद गुजरात पर आक्रमण के समय चालुक्य वंश के राजा मूलराज द्वितीय आबू पहाड़ के निकट गौरी को पराजित किया। जो गोरी की भारत में पहली पराजय थी। 1190 ई० तक गोरी ने संपूर्ण पंजाब को जीत लिया। जिसकी सीमाएं दिल्ली और अजमेर से लगी थी।

पृथ्वीराज चौहान

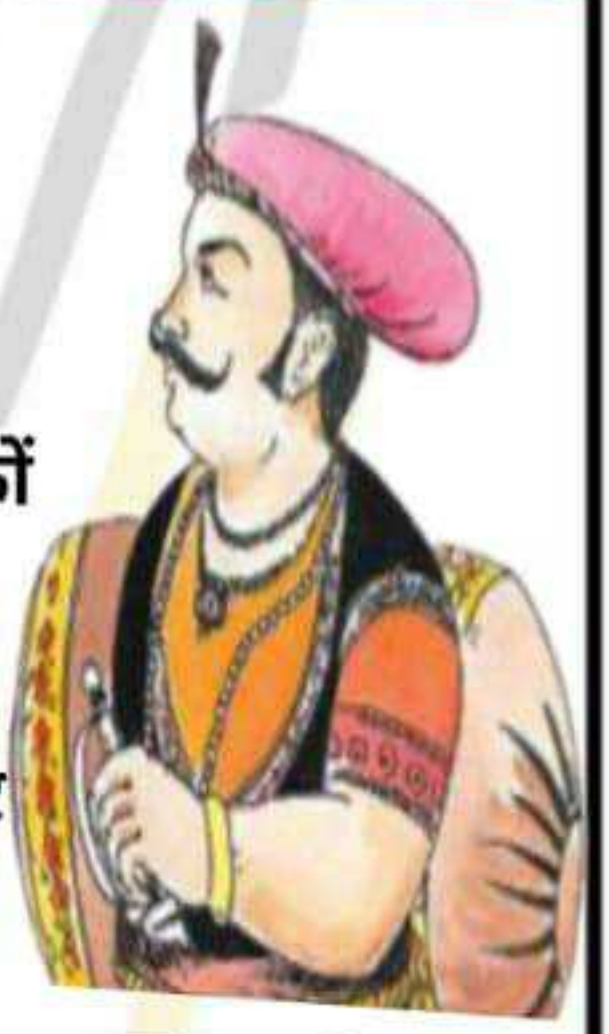

जब मोहम्मद गौरी भारत पर आक्रमण की योजना बना रहा था। तब चौहान वंश के शासक पृथ्वीराज चौहान अपने राज्य विस्तार में लगे हुए थे। पृथ्वीराज चौहान ने कई राजपूत शासकों को पराजित किया। इनमें चन्देल शासक, 'पर्मादिदेव' भी था। आल्हा ऊदल 'पर्मादिदेव' के लोक प्रसिद्ध सेना नायक थे जो भीषण युद्ध मे मारे गए। भटिण्डा पर मुहम्मद गोरी के अधिकार कर लेने के बाद पृथ्वीराज चौहान तथा मुहम्मद गोरी के मध्य संघर्ष की स्थिति बन गई।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1 मुहम्मद गौरी ने गजनी पर कब अधिकार कर लिया??
प्रश्न 2 मोहम्मद गौरी ने भारत पर पहला आक्रमण कहां किया?
प्रश्न 3 राजा मूलराज द्वितीय किस वंश का शासक था?
प्रश्न 4 मोहम्मद गोरी ने संपूर्ण पंजाब को कब जीत लिया?
प्रश्न 5 भटिंडा पर किसने अधिकार किया था?
प्रश्न 6 चौहान वंश का शासक कौन था?

उत्तरमाला क्रमांक-7

उत्तर 1 गुजरात।
उत्तर 2 महमूद गजनवी।
उत्तर 3 डॉ राजेंद्र प्रसाद।
उत्तर 4 तहकीक-ए-हिंद।
उत्तर 5 महमूद गजनवी।
उत्तर 6 पृथ्वी और ग्रह, उनका आकार और घूमना, सूर्य और चंद्र ग्रहण, अक्षांश और देशांतर और इनके पर्यवेक्षण के उपकरण।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुनीता यादव श्रावस्ती, आकांक्षा मिश्रा हरदोई

विषय- उर्दू

पाठ-सोहबत का असर कक्षा -7

प्रकरण- सोहबत

क्रमांक-10

मिशन शिक्षण संवाद

लेखक का परिचय

बच्चों आज हम मौलवी नजीर अहमद के नाविल से लिया गया एक सबक आमोज वाक़िये को पढ़ेंगे। पहले हम नजीर अहमद साहब के बारे में जानेंगे। नजीर अहमद साहब उर्दू नाविलनवेसी के बानी समझे जाते हैं उन्होंने अपने नाविलों से समाजी इस्लाह का काम लिया है। उनकी जुबान बहुत सादा और बा मुहावरा होती है, जो सबक़ आज हम पढ़ेंगे यह सबक उनके एक नाविल तौबतन नुसुह से लिया गया है। इसके अलावा मरातुल उरूस, बिनातुन्नाश और रोयाए सादिक़ा भी उनके मशहूर नाविल हैं ।उनका इंतकाल सन 1912 में हुआ।

مصنف کا تعارف

بچوں آج ہم مولوی نذیر احمد کے ناول سے لیا گیا ایک سبق آموز واقعہ پڑھیں گے۔ پہلے ہم نذیر احمد صاحب کے بارے میں جانیں گے نذیر احمد صاحب اردو ناول نویسی کے بانی سمجھے جاتے ہیں ،انہوں نے اپنے ناولوں سے سماجی اصلاح کا کام لیا ہے ان کی زبان بہت سادہ اور بامحاورہ ہوتی ہے جو سبق ہم پڑھیں گے یہ سبق ان کے ایک ناول توبۃ النصوح سے لیا گیا ہے اس کے علاوہ مراۃ العروس ،بنات النعش، اور رویائے صادقہ بھی ان کے مشہور ناول ہیں ان کا انتقال 1912 میں ہوا۔

शब्द	=अर्थ
सोहबत	=मेल जोल
तौबतन नुसुह	=सच्ची तौबा
बिनातुन्नाश	=सात सितारे
रोयाए सादिक़ा	=सच्चा खुआब

الفاظ	=معنی
صحبت	=میل جول
توبتہ النصوح	=سچی توبہ
بنات النعش	=سات ستارے
رویائے صادقہ	=سچا خواب

प्रंश्नें,,नेक सोहबत का असर के लेखक का नाम क्या है?

प्रश्न,, यह सबक़ नज़ीर साहब के किस नाविल से लिया गया है?

प्रश्न,,मौलवी नज़ीर साहब ने इसके अलावा और कौन कौन से नाविल लिखे हैं?

سوال۔۔نیک صحبت کا اثر کے مصنف کا نام بتائیں۔

سوال۔۔یہ سبق نذیر صاحب کے کس ناول سے ماخوذ ہے؟

مولوی نذیر احمد نے اسکے علاوہ اور کون کون سے ناول لکھے؟

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ाँ 9458278429

विषय- उर्दू

पाठ-सोहबत का असरकक्षा -7

प्रकरण- सोहबत

क्रमांक-12

मिशन शिक्षण संवाद

सारांश

बच्चो आज हम पाठ के महत्त्वपूर्ण हिस्से का अध्ययन करेंगे।
सलीम अपने पिता को बताता है कि वह चार लड़के केवल नमाज़ और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देते हैं। मोहल्ले में सबसे शरीफ़ हैं। एक दिन मुझे सबक़ याद नहीं था तो मैं उनके घर गया, वह अपनी नानी के साथ रहते हैं। उनकी नानी पूजा पाठ में व्यस्त थीं, मैं बिना सलाम किए अन्दर चला गया।जब नानी पूजा से ख़ाली हुईं तो उन्होंने मुझे टोका,कि तुमने सलाम नहीं किया, फिर भी मैं तुम्हें दुआएं देती हूं। हालांकि तुम मेरे बच्चों के साथ रहते हो तो मुझे डर है कि कहीं वह भी तुम्हारी तरह बड़ों का आदर सम्मान करना न छोड़ दें। उनकी इस नसीहत से मेरा मन दुनिया की बे हूदा बातों से बुरा हो गया।
तो बच्चो देखा कि इन्सान के व्यवहार पर उसके मेल जोल का कितना असर पड़ता है। हमें भी अच्छे लोगों का साथ अपनाना चाहिए।

خلاصہ کلام

بچو آج ہم سبق کے اہم حصہ کا مطالعہ کریں گے۔
سلیم اپنے والد کو بتاتا ہے کہ وہ چار لڑکے صرف نماز اور اپنی پڑھائی پر توجہ دیتے ہیں۔محلے میں سب سے شریف ہیں۔ایک دن مجھے سبق یاد نہیں تھا تو میں انکے گھر گیا،عہ اپنی نانی کے ساتھ رہتے ہیں۔انکی نانی عبادت میں مشغول تھیں۔
میں بنا سلام کئے داخل ہو گیا۔جب نانی عبادت سے فارغ ہوئیں تو انہوں نے مجھے ٹوکا،کہ تم نے مجھے سلام نہیں کیا۔پھر بھی میں تمہیں دعائیں دیتی ہوں۔حالانکہ تم میرے بچوں کے ساتھ رہتے ہو تو مجھے ڈر ہے کہ کہیں وہ بھی تمہاری طرح بڑوں کا احترام کرنا نہ چھوڑ دیں۔ لہازہ جو صحبت کا اثر مجھ پر ہوا ہے،اس سے میرا دل دنیا کی بیہودہ باتوں سے بیزار ہو گیا ہے۔
تو بچو دیکھا کہ انسان کے اخلاق پر اسکی صحبت کا کتنا اثر پڑتا ہے۔ہمیں بھی اچھی صحبت اختیار کرنا چاہئیے۔

अभ्यास कार्य

शब्द=अर्थ

आमोख़ता=पिछला सबक़
ब सरो चश्म=ख़ुशी से
ज़मीन में गड़ना=पछतावा
दस्तूर=तरीक़ा
फ़ारिग़=ख़ाली

مشق

الفاظ=معنی
آموختہ=پچھلا سبق
بسروچشم=خوشی سے
زمین میں گڑنا=پچھتاوا
دستور=طریقہ
فارغ=خالی

प्रश्न,, सलीम को खेल कूद से नफ़रत क्यों हो गयी?
प्रश्न,, सलीम ने बड़ी बी की नसीहत से क्या असर लिया?
प्रश्न,,बड़ी बी के नवासों का चाल चरित्र कैसा था?
प्रश्न,, जुमला किसे कहते हैं?

سوال،،سلیم کو کھیل کود سے نفرت کیوں ہو گئ؟
سوال،،سلیم نے بڑی بی کی نصیحت سے کیا اثر لیا؟
سوال،،بڑی بی کے نواسوں کا چال چلن کیسا تھا؟
سوال،جملہ کسے کہتے ہیں؟

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ाँ 9458278429

विषय- उर्दू

प्रकरण- सोहबत

पाठ- सोहबत का असर कक्षा -7

क्रमांक-11

मिशन शिक्षण संवाद

सारांश

बच्चों कल हमने इस पाठ के लेखक के बारे में मालूमात हासिल कीं। आज हम सबक के छोटा बेटा सलीम से लेकर जनाब वही चार लड़के तक के हिस्से का अध्ययन करेंगे। नज़ीर साहब ने इसमें बेटे और उसके वालिद के दरमियान गुफ्तगू को तहरीर किया है इस सबक़से हमें यह नसीहत मिलती है कि हमें अपने वालदैन का किस तरह अदब व एहतराम करना चाहिए वालदेन जिस बात का उपदेश और जिस से मना करें उसे स्वीकार कर लेना चाहिए। इस बात चीत में वालिद

साहब ने यूं ही सलीम को बुलाया था। मगर देरी से उठने पर वह डरा हुआ था।

सलीम को खेल का बहुत शौक था मगर अचानक वो खेल से बेजार हो गया वालिद साहब इस बेज़ारी का कारण जानना चाहते थे। इस सबक़ से हमें यह भी नसीहत मिलती है कि हमें अपने बड़ों से किस तरह एहतराम से बात करना चाहिए ।बेदारा के जगाने पर सलीम अदब से भयभीत हो गया था।

शब्द=अर्थ
बाला ख़ाना=ऊपर का कमरा
तलब=बुलावा
कोठा=छत
माक़ूल=मुनासिब
गन्जफ़ा=एक खेल का नाम जो ताश की तरह खेला जाता है।
मुबतदी=शुरू करना
निस्बत=लगाओ

प्रश्न,, सलीम को किसने बुलाया?
प्रश्न,, सलीम ने बेदारा से क्या मालूम किया?
प्रश्न,, सलीम अपने पिता के पास जाने से क्यों डर रहा था?

خلاصہ کلام

بچوں کل ہم نے اس سبق کے مصنف کے بارے میں معلومات حاصل کیں۔ آج ہم سبق کے چھوٹا بیٹا سلیم سے لے کر کر جناب وہی چار لڑکے تک حصے کا مطالعہ کریں گے۔ آگے نذیر صاحب نے اس میں بیٹے اور اس کے والد کے درمیان گفتگو کو تحریر کیا ہے ۔اس سبق سے ہمیں یہ نصیحت بھی حاصل ہوتی ہے کہ ہمیں اپنے والدین کا کس طرح ادب و احترام ملحوظ رکھنا چاہئے۔ والدین جس بات کا حکم دیں اور جس سے منع کریں اسے تسلیم و رضا قبول کرلینا چاہیے اس گفتگو میں حالانکہ والد صاحب نے یوں ہی سلیم کو طلب کیا تھا مگر تاخیر سے اٹھنے پر وہ خائف۔ تھا سلیم کو کھیل کا بہت شوق تھا مگر اچانک وہ کھیل سے بیزار ہو گیا ۔ والد صاحب اس بیداری کا سبب جاننا چاہتے تھے۔ اس سبق سے ہمیں یہ بھی نصیحت ملتی ہے کہ ہمیں اپنے بڑوں سے کس طرح احترام سے بات کرنا چاہیے بیدارا کے جگانے پر سلیم ادب سے خوفزدہ ہوگیا تھا۔

الفاظ=معنی
بالا خانہ=اوپر کا کمرہ
طلب=بلاوا
کوٹھا=چھت
معقول=مناسب
گنجفہ=ایک کھیل کا نام جو تاش کی طرح کھیلا جاتا ہے اس میں 96پتےاور8رنگ ہوتے ہیں۔ اور 3کھلاڑی ہوتے ہیں۔
مبتدی=شروع کرنا
نسبت=لگاؤ

سؤال،،سلیم کو کس نے طلب کیا؟
سوال،،سلیم نے بیدارا سے کیا معلوم کیا؟
سوال،،سلیم اپنے والد کے پاس جانے سے کیوں ڈر رہا تھا؟

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तस्लीम रज़ा ख़ां 9458278429

विषय- चित्रकला पाठ-आलेखन कक्षा -UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 12

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों आलेखन बनायें व रंग भरें।

अंतिम आलेखन

कॉपी मे बनायें ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि० फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

विषय- चित्रकला पाठ- पत्ती कक्षा -UPS

प्रकरण- शिल्प कला क्रमांक- 11

मिशन शिक्षण संवाद

कागज मोडकर पत्ती बनाओ।पत्तियां बनाकर अपना मनपसंद चित्र सजाओ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2,मजफ्फरनगर 9458278429

विषय-चित्रकला पाठ-तितली कक्षा - UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 10

मिशन शिक्षण संवाद

तितली उड़ी, उड़ के चली।

1

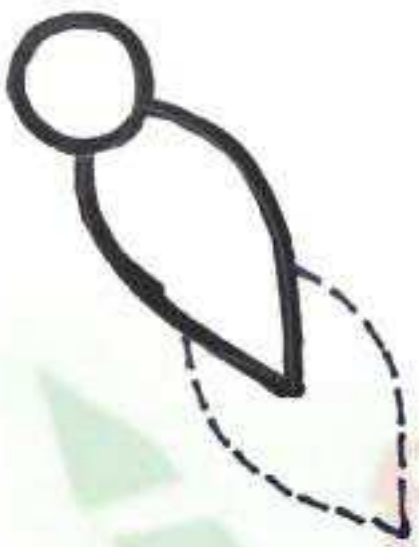

2

3

4

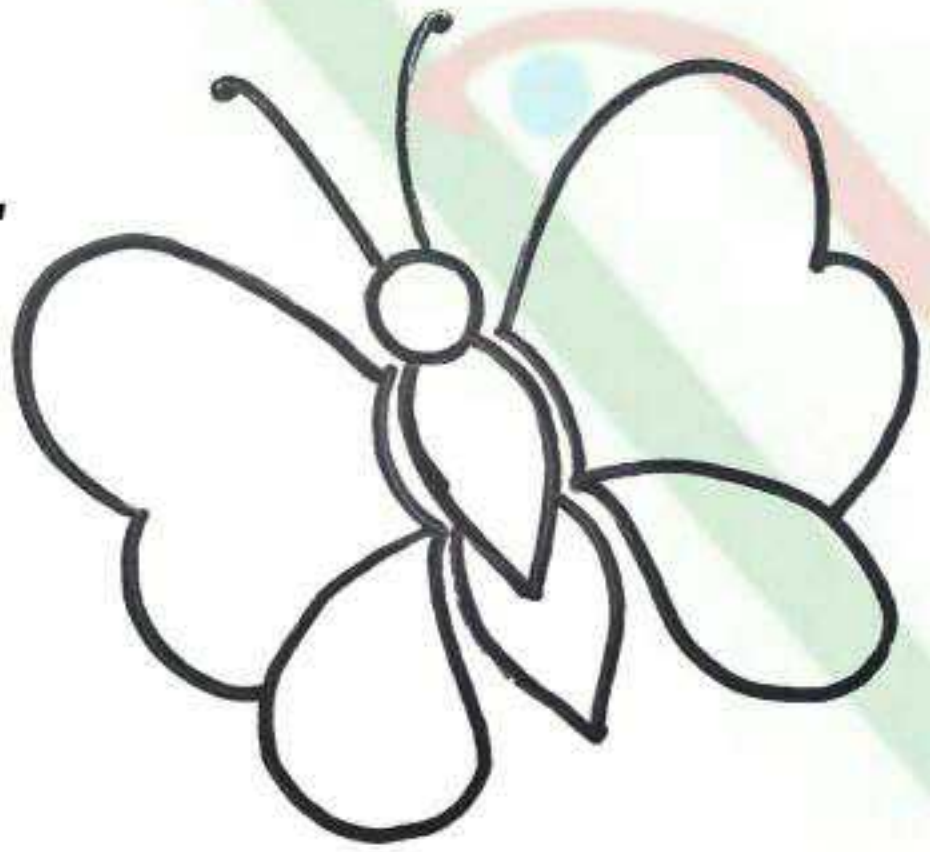

5

6

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह (प्राथमिक विद्यालय इमरता)

विषय- हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा - 6, 7, 8

प्रकरण- रचनात्मक गतिविधि क्रमांक- 12

मिशन शिक्षण संवाद

नीचे लिखे निम्न उपसर्गों को याद करें--

1-अनु- पीछे-अनुकरण, अनुसरण, अनुज।
2- अन्-नहीं, अनुपस्थिति, अनावश्यक।
3- दुर्- बुरा/कठिन-दुर्बल, दुर्जन, दुर्बल।
4- कु-बुरा- कुरीति, कुपुत्र, कुमति, कुसंग।
5- प्र- आगे/अधिक-प्रगति, प्रताप, प्रसार।

रचनात्मक गतिविधि

बच्चों! आपने क्रमांक 11में पढ़ाये गये सभी उपसर्गों को समझ लिया होगा और याद भी कर लिया होगा।

आप विभिन्न उपसर्ग लगाकर बनने वाले नये शब्दों में होने वाले अर्थ-परिवर्तन को समझें और याद किए उपसर्गों को विभिन्न रंगों के चार्ट पेपर पर सुन्दर-सुन्दर लिखना होगा।

उदाहरण- 1-स्व+ देश= स्वदेश= अपना देश।
2-उप+देश= उपदेश=शिक्षा।
3-सु+पुत्र= सुपुत्र= अच्छा बेटा।
4- आ+देश=आदेश=आज्ञा।
5- वि+देश=विदेश= दूसरा देश।
6- सम्+देश= संदेश= ख़बर।

सीखने का प्रतिफल (learning outcome)

1- बच्चों में मानसिक व तर्क शक्ति का विकास।
2- शब्द भण्डार का ज्ञान आसानी व सहजता से हो जायेगा।
3- स्वयं करके सीखने से याद करने के साथ ही समूह में काम करने की क्षमता का विकास होना।
4- रचनात्मक कौशल में वृद्धि।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

वन

परिभाषा

जहाँ सघन रूप से पेड़-पौधे, वनस्पतियाँ विविध प्रकार के जीव जन्तु पाये जाते हैं उसे वन कहते हैं।

वनों की उपयोगिता

1- वनों से हमें शुद्ध वायु एवं जल मिलता है।
2- भोजन के लिए फल एवं सब्जियाँ भी वन से मिलती हैं।
3- इमारती लकड़ियाँ जैसे- शीशम, साखू, सागौन, आम,नीम,आदि भी वन से मिलती हैं।
4- वन तेज वर्षा में मिट्टी के कटाव को कम करता है।
5-वनों से हमें कागज, दियासलाई, रेशम आदि उद्योगों के लिये कच्चा माल मिलता है।
6-विभिन्न प्रकार की जडी-बूटियाँ, गोंद, रबर, छाल , लाख आदि भी वनों से मिलता है।
7-वनों में बहुत से पक्षी पेड़ों पर घोंसला बना कर रहते हैं जैसे- गौरैया, तोते, कबूतर
8- अनेक जानवर जैसे- शेर, हाथी, हिरन, सियार झाड़ियों या गुफाओं में रहते हैं।

1- नीम

2-ईसबगोल बीज

3-सिनकोना

4-जामुन

5-यूकेलिप्टस

6-मुलेठी

क्र.	पौधे का नाम	उपयोगी भाग	औषधीय गुण
1	नीम	पत्ती	खून साफ करना
2	ईसबगोल बीज	भूसी	पेचिस या कब्ज ठीक करना
3	सिनकोना	छाल	मलेरिया की दवा
4	जामुन	बीजों का चूर्ण	शुगर में लाभदायक
5	यूकेलिप्टस	तेल	जुकाम की दवा
6	मुलेठी	जड़	गले की खराश

वनों की संख्या कम होने के कारण

मानव ने जबसे कृषि का कार्य आरम्भ किया है तो उसने केवल घास के मैदान ही नहीं काटे बल्कि वनों का विनाश भी किया है। इसके अतिरिक्त उद्योगों की स्थापना ,रेलवे निर्माण, सड़क निर्माण, आदि के परिणामस्वरूप भी वनों को काटा गया है।

विलुप्त प्रजातियाँ

पशु -पक्षियों की वह प्रजातियाँ जो पूरी तरह खत्म हो गई हैं उन्हें विलुप्त प्रजाति कहते हैं जैसे-डायनासोर, मेमथ।

संकटग्रस्त प्रजातियाँ

वह प्रजातियाँ जो खत्म होने की कगार पर हैं उन्हें संकटग्रस्त प्रजातियाँ कहते हैं जैसे- बाघ,गिद्ध।

उत्तरमाला क्रमांक - 10

1- वाष्पीकरण
2- संघनन
3- प्रकाश संश्लेषण
4- गैसीय अपशिष्ट
5- जल चक्र

उत्तरमाला

वर्ग पहेली में 5 इमारती लकड़ियों के पेड़ छांटिए

गी	आ	भे	सा	खू
नी	म	ठ	फ	बे
छ	ती	से	शी	सा
भु	दे	त्र	रा	गो
ल	बे	फा	म	न

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम. तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाजीपुर)

पर्सनल कम्प्यूटर के भाग एवं कार्य

पर्सनल कम्प्यूटर को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-डेस्कटॉप, लैपटॉप एवं पामटॉप

डेस्कटॉप कम्प्यूटर (Desktop Computer)

पर्सनल कम्प्यूटर का सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला डेस्कटॉप कम्प्यूटर है। यह एक ऐसा कम्प्यूटर है जिसे किसी मेज पर रखकर प्रयोग किया जाता है इसलिए इसे डेस्कटॉप या डेस्कटॉप पी.सी. के नाम से जाना जाता है।

लैपटॉप कम्प्यूटर (Laptop Computer)

ये कम्प्यूटर वे होते हैं जिनको व्यक्ति अपनी गोद में रखकर कार्य कर सकता है। यह साईज में बहुत छोटे होते हैं। इन कम्प्यूटर को व्यक्ति एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जा सकते हैं। इनमें पावर के लिए बैटरी और ए.सी. विद्युत दोनों का प्रयोग किया जा सकता है।

पामटॉप कम्प्यूटर (Palmtop Computer)

ये कम्प्यूटर लैपटॉप कम्प्यूटर से छोटे होते हैं। इनको हथेली पर रखकर चलाया जाता है तथा व्यक्ति अपनी जेब में रख सकता हैं। आजकल मोबाइल में भी यह सुविधा उपलब्ध होने लगी है। पामटॉप कम्प्यूटर में कैलकुलेटर के समान बटनों वाला की-बोर्ड होता है और एक छोटी स्क्रीन होती है। यह बैटरी से चलाया जाता है।

पर्सनलकम्प्यूटरकेमुख्यकार्य-

इनकाप्रयोगइण्टरनेटकेउपयोगके लिएकियाजासकताहै।
शब्दएवंगणनाओंकाप्रयोग, सांख्यिकीगणनाआदिमेंइनकाप्रयोग कियाजासकताहै।
प्रेजेन्टेशनबनाने,बच्चोंकेगेमखेलनेमें इनकाप्रयोगकरतेहैं।
सॉफ्टवेयरनिर्माणकरनेमेंभीपर्सनल कम्प्यूटरकाप्रयोगकियाजाताहै।

गृहकार्य

प्र,1. पर्सनल कंप्यूटर को कितने भागों में बांटा जा सकता है?

प्र2. पर्सनल कंप्यूटर के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तरमाला

उ.1 निर्देशों का एक सेट को एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर कहलाता है।

उ.2 4 प्रकार–सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, पैकेजेस, यूटिलिटीज।

विषय- हमारा पर्यावरण पाठ- मिट्टी और वायु कक्षा -जूनियर

प्रकरण- जल चक्र, आकसीजन और कार्बनडाइऑक्साइड क्रमांक- 10

मिशन शिक्षण संवाद

जलचक्र-

प्रकृति में जल चक्र

पृथ्वी पर जल स्रोतों का जल निरन्तर भाप में बदलता रहता है, इस प्रकिया को वाष्पीकरण कहते हैं। अधिक तापमान पर अधिक और कम तापमान पर कम वाष्पीकरण होता है। वायु में इसी जल वाष्प को आद्रता या नमी कहते हैं ।

वाष्प वायुमण्डल में जाता है फिर संघनित होकर बादल बनता है और फिर बादल बनकर ठोस (हिमपात) या द्रव रूप में वर्षा के रूप में बरसता है। हिम पिघलकर पुनः द्रव में परिवर्तित हो जाता है। इस तरह जल की कुल मात्रा स्थिर रहती है।

जल का स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल मे निरन्तर आदान-प्रदान होता रहता है इसी को जलचक्र कहते हैं ।

पृथ्वी पर पेड़ पौधे ऑक्सीजन के मुख्य उत्पादक हैं. ये सूर्य के प्रकाश से उर्जा लेकर प्रकाश संश्लेषण की क्रिया से कार्बन को सोखते हैं और वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं.

जीव-जंतु इस ऑक्सीजन को सांस लेने की क्रिया द्वारा अपने शरीर में लेते हैं और अपना जीवन चलाते हैं।

जीवन और आक्सीजन

श्वसन जीवन की मुख्य क्रिया है।श्वसन में जीव वायु से आक्सीजन का उपयोग कर कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ता है।जलीय जीव भी जल में घुली आक्सीजन लेते हैं। इसके अतिरिक्त जलने(दहन),किण्वन, सड़ने के लिए भी आक्सीजन अनिवार्य है। इसके बिना आग नहीं जल सकती। जीवों द्वारा छोड़े गये कार्बन डाइ ऑक्साइड का उपयोग हरे पौधे प्रकाश-संश्लेषण क्रिया मे करते हैं और इस क्रिया में आक्सीजन मुक्त होती है और वायु में आक्सीजन की मात्रा नियंत्रित रहती है।

अभ्यास कार्य

एक शब्द में लिखो-

1- पानी का भाप में बदलना _____

2- भाप का पानी में बदलना _____

3- पौधों द्वारा भोजन निर्माण_____

4-कल कारखानों से निकला धुआं _____

5- जल का वायुमंडल, जलमंडल और स्थल मंडल मे आदान-प्रदान ____

यह भी जानिए-

- मानव के क्रिया कलापों,वनों के कटाव, उद्योगों से निकलती गैसें यातायात से निकले धुयें, घरेलू उपकरणों से गैसों के रिसाव आदि गैसीय अपशिष्ट कहलाते है।
- वायु का 1/5भाग जलने के लिए आवश्यक है।
- ज्वालामुखी द्वारा निकलने वाली गैसों में भी कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा होती है।
- वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड पदार्थों के जलने, सड़ने, सांस लेने आदि से आती है।
- कारखानों की चिमनियों में धूम्र अवक्षेपक लगा कर प्रदूषण को कम किया जा सकता है।
- संघनन- जब जलवाष्प ठंडी होकर जल मे बदलती है इस क्रिया को संघनन कहते हैं।

उत्तर माला पेज-9

आक्सीजन-21%

नाइट्रोजन- 78%

दोमट मिट्टी- मध्यम कण

चिकनी मिट्टी- छोटे कण

बलुई मिट्टी - बड़े कण

पृथ्वी की ऊपरी परत- मिट्टी

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शीला सिंह (गाजीपुर), शबनम तौकीर(लखनऊ)

विषय- खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा **पाठ-** 3 खेल एवं हमारा भोजन **कक्षा -UPS**

प्रकरण- आहार **क्रमांक- 10**

मिशन शिक्षण संवाद

कुपोषण-

शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी या अधिकता कुपोषण है जिसके कारण बच्चे कई बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। कुपोषण के प्रमुख कारक निम्नवत् हैं-

1. प्रोटीन की कमी-प्रोटीन की कमी के कारण शरीर की वृद्धि रूक जाती है। मांसपेशियाँ कमजोर हो जाती हैं। एकाग्रता में कमी तथा कुछ भी सीखने में परेशानी होती है।

रोग-क्वॉशियोरकर, मेरास्मस।

2. कार्बोहाइडेªट की कमी- इसकी कमी से शरीर कमजोर हो जाता है। रक्त में शर्करा की मात्रा कम हो जाती है।

3. वसा की कमी-वसा की कमी से मांस पेशियाँ कमज़ोर हो जाती हैं। त्वचा रूखी हो जाती है।

4. विटामिन्स की कमी-विभिन्न प्रकार के विटामिन्स की कमी के कारण रतौंधी, बेरी-बेरी, स्कर्वी, रिकेट्स, आदि रोग होते हैं।

5. खनिज लवण की कमी-इनकी कमी से अस्थि दुर्बलता, घेंघा, रक्ताल्पता आदि रोग होते हैं।

और भी जानें -

आजकल पैकेट बंद फूड, फास्ट फूड का बहुत प्रचलन है। पैकेट बंद फूड भले ही खाने में स्वादिष्ट लगते हों, लेकिन उनमें विटामिन्स और मिनरल्स का अभाव होता है, जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। इस प्रकार के खाद्य पदार्थों को खाने से बचना चाहिए।

खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनके लेबल पर एक्सपायरी डेट जरूर देख लें।

हमने जाना

संतुलित भोजन का अर्थ, विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए पोषक आहार एवं पोषक तत्वों की कमी का हमारे शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव।

प्रोजेक्ट वर्क

आप सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक के आहार में किन-किन भोज्य पदार्थों को सम्मिलित करते हैं, प्रत्येक बार के भोजन में सम्मिलित भोज्य पदार्थों की सूची बनाइए।

उत्तरमाला पेज - 9

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन तत्वों से एन्ज़ाइम तथा हारमोन्स बनाता है।
3. लगभग 09 कैलोरी।
4. 6 से 8 गिलास

अभ्यास प्रश्न

1. सन्तुलित भोजन किसे कहते हैं?
2. भोजन के प्रमुख कार्य क्या हैं?
3. कुपोषण से आप क्या समझते हैं?

विटामिन्स की कमी से होने वाले रोगों के नाम लिखिए?

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में 22 उपसर्ग होते हैं-

उपसर्ग अर्थ

1-अति- अधिक/परे👉अत्यन्त, अतिरिक्त, अत्यधिक, अत्युत्तम।
2- अधि- मुख्य/श्रेष्ठ।👉अधिकृत, अध्यक्ष, अध्यादेश, अधीन।
3-अनु- पीछे/ समान 👉अनुज, अनुरूप, अनुराग, अनुकरण।
4-अप-विपरीत/बुरा👉 अपव्यय, अपकर्ष, अपशकुन, अपेक्षा।
5-अभि-पास/सामने👉अभिभूत, अभ्युदय, अभ्यन्तर, अभ्यास, अभीप्सा।
6-अव- बुरा/ हीन 👉 अवज्ञा,अवतार, अवकाश, अवशेष।
7-आ-सहित 👉आलेखन, आगमन, आजीवन
8-उत् -ऊपर/ श्रेष्ठ 👉 उत्तम, उद्धार, उच्छ्वास, उल्लेख।
9- उप-समीप👉 उपवन, उपेक्षा, उपाधि, उपहार, उपाध्यक्ष।
10-दुर्-बुरा/ कठिन👉 दुरूह, दुर्गुण, दुरवस्था, दुराशा, दुर्दशा।
11-दुस्- बुरा/ कठिन👉 दुष्कर, दुस्साध्य, दुस्साहस।
12निर्- रहित/बाहर 👉 , निर्धन, नीरोग, नीरस,निराकार।
13- निस्/बिना/बाहर 👉 निश्छल, निष्काम, निष्फल,निस्सन्देह।
14- प्र-आगे/अधिक प्रयत्न, प्रारम्भ, प्रेत, प्राचार्य,प्रार्थी।
15-परा ,पीछे/अधिक 👉 पराक्रम, पराविद्या, परावर्तन,पराकाष्ठा।
16- परि-चारों ओर 👉 पर्याप्त, पर्यटन, पर्यन्त, परिमाण, परिच्छेद,पर्यावरण।
17-प्रति- प्रत्येक 👉 प्रतीक्षा, प्रत्युत्तर, प्रत्याशा, प्रतीति।
18-वि- विशेष/भिन्न👉 विलय, व्यर्थ, व्यवहार, व्यायाम,व्यंजन,व्यसन,व्यूह।
19-सु-अच्छा/सरल 👉 सुगन्ध, स्वागत, स्वल्प, सूक्ति, सुलभ।
20-सम् -पूर्ण शुद्ध👉 संकल्प, संशय, संयोग, संलग्न, सन्तोष।
21-अन्- नहीं/बुरा 👉 अनुपम, अनन्य, अनागत, अनुचित, अनुपयोगी।
22-प्र-आगे/अधिक👉प्रकाश,प्रभात, प्रचार, प्रसार, प्रगति।

गृहकार्य-
👉पढ़ें, याद करें व उत्तर पुस्तिका में लिखे।
👉निम्नांकित उपसर्गों को लगाकर नये शब्द बनाइए-
प्र, अनु, वि, सु।

शेष अगले क्रमांक में-

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय- कंप्यूटर पाठ- कंप्यूटर कक्षा -UPS

प्रकरण- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्रमांक- 7

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर

निर्देशों का एक समूह (सैट)जो एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर प्रोग्राम कहलाता है। प्रोग्राम के निर्देश, कम्प्यूटर को इनपुट कार्य करने, डाटा को प्रोसेस करने तथा रिजल्ट को आउटपुट करने के लिए निर्देशित (डायरेक्ट) करते हैं। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर परिणाम को भी निर्धारित करता है

सॉफ्टवेयर के प्रकार

सॉफ्टवेयर को चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है -1. सिस्टम सॉफ्टवेयर, 2. ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, 3. पैकेजेज, 4. यूटिलिटीज

सिस्टम सॉफ्टवेयर :–

सिस्टम सॉफ्टवेयर एक या एक से अधिक प्रोग्राम्स के सेट हैं जो मूल रूप से एक कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को कंट्रोल करने के लिए डिजाइन किये गये हैं। ये जनरल प्रोग्राम्स हैं जो ऐप्लीकेशन्स प्रोग्राम्स को ऐक्जीक्यूट करने के सभी स्टेप्स (जैसे सभी कार्यों को कंट्रोल करना, डाटा को कम्प्यूटर के बाहर और अन्दर मूव कराना आदि) को करने के लिए कम्प्यूटर सिस्टम को प्रयोग करने में यूजर्स की मदद के लिए होते हैं।

सिस्टम सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग:--

- अन्य सॉफ्टवेयर को चलाना।
- प्रिंटर्स, कार्डरीडर्स, डिस्क और टेप डिवासेस आदि के साथ कम्प्यूनिकेट करना।
- अन्य प्रकार के सॉफ्टवेयर को विकसित करना।
- विभिन्न हार्डवेयर रिसोर्सेज जैसे मेमोरी, प्रिंटर्स, सी.पी.यू. आदि के प्रयोग को मॉनीटर करना।

इस तरह सिस्टम सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को अधिक कुशल और प्रभावी बनाते हैं।

गृहकार्य

प्र.1 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्या है?

प्र.2 सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तरमाला (क्रमांक - 6)

क) कीबोर्ड	104 बटन
ख) माउस।	स्क्रॉल
ग) मॉनिटर	सी.आर.टी.
घ) स्पीकर	गाना सुनना

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-भारती मांगलिक, बुलंदशहर

मिशन शिक्षण संवाद

हमारा भोजन

सामान्यतः पूरे दिन में जो कुछ भी हम खाते हैं उसे भोजन या आहार कहते हैं। हमारे शरीर की वृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हमारे भोजन में वे सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में होने चाहिए जिनकी आवश्यकता हमारे शरीर को है। कोई भी पोषक तत्व न अधिक हो न कम। हमारे भोजन में पोषक तत्व, विटामिन्स एवं खनिज के साथ पर्याप्त मात्रा में रेशे युक्त खाद्य तथा जल भी होना चाहिए। इए प्रकार के आहार को 'संतुलित आहार' कहते हैं।

भोजन के निम्नलिखित कार्य होते हैं-

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन के द्वारा शरीर का निर्माण और मरम्मत का कार्य होता है।
3. भोजन के द्वारा रोगों से सुरक्षा होती है।
4. भोज्य तत्वों से एन्जाइम तथा हार्मोन्स बनता है जो शरीर के लिए लाभकारी होता है।

उत्तरमाला पेज - 8

1. समय समय पर बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए।
2. कृमि संक्रमण रोकने के लिये हमें एल्बेंडाजोल की टेबलेट खानी चाहिए।
3. स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. भोजन शरीर को क्या प्रदान करता है?
2. भोजन तत्वों से क्या बनाता है?
3. 1ग्राम वसा में कितने कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है?
4. एक दिन में कितने गिलास पानी पीने चाहिए?

01 ग्राम शुद्ध वसा में लगभग 09 कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम प्रोटीन में लगभग 04 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम कार्बोहायड्रेट में लगभग 4.1 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। खिलाड़ियों के लिए अपेक्षित कैलोरी की मात्रा -

12 वर्षीय बच्चे (शाकाहारी/मांसाहारी) के लिए पूरे दिन का संतुलित आहार

भोज्य पदार्थ	मात्रा	पके हुए भोजन की अनुमानित मात्रा
अनाज	300 ग्राम	10 कप
(अ) चावल	160 ग्राम	5 कप
(ब) गेहूं	160 ग्राम	6-7 रोटी
दाल	70 ग्राम	3 कप
हरी पत्तेदार सब्जियाँ	75 ग्राम	2 कप
अन्य सब्जियाँ	75 ग्राम	1/2 कप
फल	50 ग्राम	
दूध	250 मिली	1 गिलास
वसा तथा तेल	35 ग्राम	2 चम्मच
शक्कर/चीनी/गुड़	50 ग्राम	चम्मच (बड़ा)
मांस, मछली	35 ग्राम	
अण्डा	1 अण्डा	1 अण्डा
जल	6-8 गिलास	

विषय- **पर्यावरण** पाठ- मिट्टी और वायु कक्षा -जूनियर

प्रकरण- मिट्टी के प्रकार एवं उपयोगिता क्रमांक- **9**

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्टी

परिभाषा

मिट्टी भूमि की सबसे ऊपरी परत होती है जो चट्टानों के टूटने से बनती है इसके अन्दर जल,आक्सीजन एवं पोषक तत्व होते हैं।

मिट्टी के प्रकार

चट्टानों एवं वातावरण की विभिन्नता के कारण मिट्टी अलग-अलग जगह पर अलग -अलग रंग की होती है बालू की मात्रा एवं कणों के आधार पर मिट्टी निम्न प्रकार की होती है।

1- बलुई मिट्टी
जिस मिट्टी में बड़-बड़े कण होते हैं और बालू की मात्रा अधिक होती है वह.बलुई मिट्टी होती है।

2- चिकनी मिट्टी
जिस मिट्टी में कण छोटे होते हैं और बालू की मात्रा कम होती है वह चिकनी मिट्टी होती है।

3- सिल्ट
जिस मिट्टी के कण मध्यम आकार के होते हैं उसे सिल्ट कहते हैं।

मिट्टी की उपयोगिता

1- पौधों को खड़े रहने का आधार देना।
2- पौधों को बढ़ने के लिए पोषक तत्व देना।
3- पानी को सोखना जिसे जड़ें अवशोषित करतीं हैं।
4-कुछ जन्तु मिट्टी में घर (बिल,बाम्बी, गुफा बरोज) बनाकर रहते हैं ।जैसे चूहा, साँप, दीमक, नेवला ,शेर आदि।
5- कुछ जन्तु मिट्टी में उगी झाड़ियों में रहते हैं।जैसे- नीलगाय, हिरन, जीराफ आदि।

मृदा(मिट्टी) प्रदूषण

1-पेड़- पौधों एवं घास के मैदान काटे जाने से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है।जिससे मिट्टी के पोषक तत्व बह जाते हैं।
2- रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी के गुण नष्ट हो रहे हैं।

उत्तरमाला पेज 8

1- गली प्लग
2- चैक डैम
3- छत

वायु

पृथ्वी के चारों ओर वायु है। जिसमें अनेक प्रकार की गैसें हैं। पृथ्वी के चारों ओर बना गैसों का घेरा वायुमण्डल कहलाता है।
इस वायुमण्डल में नाइट्रोजन(78%) आक्सीजन(21%), कार्बन डाई आक्साइड तथा अन्य गैसें(1%)हैं। इसके अतिरिक्त वायुमण्डल में जलवाष्प व धूल के कण भी पाए जाते हैं।

गृहकार्य

मिलान करिए

भूमि की ऊपरी परत	मध्यम कण
बलुई मिट्टी	मिट्टी
चिकनी मिट्टी	बड़े कण
सिल्ट मिट्टी	छोटे कण
नाइट्रोजन	21%
आक्सीजन	78%

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ)शीलासिंह(ग़ाजीपुर)

विषय- **कम्प्यूटर** पाठ- **कम्प्यूटर** कक्षा -UPS

प्रकरण- **हार्डवेयर** क्रमांक- **6**

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर हार्डवेयर --

की-बोर्ड – यह एक इनपुट डिवाइस है। इसके द्वारा प्रोग्राम एवं डाटा को कम्प्यूटर में एंटर किया जाता है। कम्प्यूटर का की-बोर्ड टाइप राइटर के की-बोर्ड से लगभग मिलता-जुलता है। इसमें सामान्यत: 104 या उससे ज्यादा बटन होते हैं।

माउस – माउस एक प्वाइंटिंग डिवाइस है जिसके द्वारा बिना की-बोर्ड का प्रयोग किये कम्प्यूटर का नियंत्रण कर सकते हैं इसे एक हाथ से पकड़ा जाता है और एक फ्लैट सतह पर चलाया जाता है। माउस का प्रयोग स्केचेज, डायग्राम्स आदि ड्रा करने में तथा निर्देश देने के लिए किया जाता है।

माउस दो प्रकार का होता है।

1-मैकेनिकल 2. ऑप्टिकल माउस।

इसमें दो बटन होती है लेफ्ट एवं राइट बटन तीसरी बटन स्क्रॉल बटन भी किसी-किसी माउस में होती है। जब माउस को समतल सतह पर इधर-उधर सरकाते हैं। तो मॉनीटर की स्क्रीन पर तीर (↑) का निशान निर्देशानुसार सरकता है।

स्पीकर – कम्प्यूटर से गाना सुनने तथा पिक्चर देखने पर जो आवाज आती है वह स्पीकर के माध्यम से ही हम तक पहुँचती है।

मॉनीटर – कम्प्यूटर से प्राप्त निष्कर्ष देखने के लिए मॉनीटर का प्रयोग किया जाता है। इसकी संरचना टेलीविजन की तरह होती है। सामान्यत: मॉनीटर दो प्रकार के होते हैं – सी.आर.टी. एवं टी. एफ. टी.।

गृहकार्य

सही जोड़े बनाओ -

क) कीबोर्ड	क) स्क्रॉल बटन	
ख) माउस।	ख) गाना सुनना	
ग) मॉनिटर।	ग) 104 बटन	
घ) स्पीकर।	घ) सी. आर. टी.	

उत्तरमाला (क्रमांक 5)

क) ×

ख) ✓

ग) ✓

घ) ✓

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक बुलंदशहर 9458278429

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा -6, 7, 8

प्रकरण- उपसर्ग क्रमांक-10

मिशन शिक्षण संवाद

शब्द रचना (Formation of Words)

उपसर्ग (Prefixes)

उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना है-'उप' तथा 'सर्ग'।
उप का अर्थ पास या समीप तथा सर्ग का अर्थ है रचना या निर्माण।
जो शब्दाशं किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
जैसे-
नि+डर=निडर।
वि+ देश= विदेश,
अ+ज्ञान=अज्ञान
प्र+हार=प्रहार।
उपर्युक्त शब्दों में 'नि' 'वि', 'अ', 'प्र' सभी उपसर्ग. हैं।

उपसर्ग की प्रमुख विशेषताएँ---
1- उपसर्ग का अपना कोई अर्थ नहीं होता,इसलिए इन्हें स्वतंत्र रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
2- ये अन्य शब्दों के पूर्व में जुड़कर उनका अर्थ बदल देते.हैं।

उपसर्ग के भेद--

1- संस्कृत के उपसर्ग 2- हिन्दी के उपसर्ग 3- अरबी,फारसी और उर्दू के उपसर्ग 4- अंग्रेजी के उपसर्ग 5- उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय।

Praveena dixit Kgbu Kasganj

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-